RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः55 , बुधवार, 08 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

योग अपनाएं, निरोग जीवन पाएंः एसएसबी द्वारा योग शिविर का आयोजन 03

गैस वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, बैकलॉग वाली एजेंसियों पर कार्रवाई करें: डीएम 04

रश्मिका मंदाना के बर्थडे पर विजय देवरकोंडा ने शेयर की राणाबाली... 07

संक्षिप्त समाचार

पूछताछ के लिए पहुंची असम पुलिस, नहीं मिले पवन खेड़ा

- सीएम हिमंत शर्मा बोले-भाग गए हैदराबाद, छोड़ेंगे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर तीन-तीन पासपोर्ट रखने के आरोप लगाने के बाद अब वरिष्ठ कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। मंगलवार 7 अप्रैल को निजामुद्दीन स्थित पवन खेड़ा के घर पास असम क्राइम ब्रांच की टीम पहुंची है। उनकी पत्नी ने असम पुलिस में प्रताड़ित करने की शिकायत की थी। जिस संबंध में जांच के लिए असम पुलिस उनके घर पर आई और लगभग दो घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान उनके आवास पर दिल्ली पुलिस की टीम भी मौजूद रही। असम पुलिस करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद पवन खेड़ा के घर से निकल गई। जब मौके पर मौजूद पत्रकारों ने

असम पुलिस से सवाल किए तो उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा कि इस मामले में अभी जांच चल रही है और इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। इस दौरान असम पुलिस के अधिकारियों के हाथ में कुछ कागजात देखे गए। हालांकि यह कागजात क्या हैं और क्या यह पवन खेड़ा के घर से ही जब्त किए गए हैं इसे लेकर कोई पुष्टि नहीं हो सकी। पवन खेड़ा के उनके घर पर न मिलने के बाद हिमंत बिस्व सरमा बोले कि पवन खेड़ा मेरे हिसाब से भाग गया। पवन खेड़ा ने सीएम हिमंत की पत्नी रिंकी भुइयां पर आरोप लगाते हुए कहा था, हमारे पास ऐसे दस्तावेज हैं जिसने पता चलता है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं।

देश के मुसलमानों को भड़का रही है कांग्रेस

- खरगे के बयान पर बीजेपी ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर सियासत तेज है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा बीजेपी और आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से करने पर अब बीजेपी ने जबरदस्त पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए इसे जिहादी पार्टी बताया है। साथ ही चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आईएनसी इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं, बल्कि ये इंडियन जिहादी

कांग्रेस बन चुकी है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार मल्लिकार्जुन खगरे मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए उन्हें सीधे-सीधे भड़का रहे हैं। कि बीजेपी-आरएसएस एक जहरीला सांप है। ये जहां दिखे मार दीजिए। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, ये पहली बार नहीं है और न ही ये संयोग से दिया हुआ बयान है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये अपने राजनीतिक विरोधियों शुद्ध रूप से हत्या करवाने का बयान है। शहजाद ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने ऐसा पहली बार नहीं किया है, खरगे ने पहले भी बीजेपी-आरएसएस और पीएम मोदी के खिलाफ हिंसा भड़काने का प्रयास किया है।

अब किराने की दुकान पर भी मिलेगा 5 केजी वाला सिलेंडर

- सरकार ने राज्यों की डेली लिमिट दोगुनी की, स्टूडेंट्स और प्रवासियों के लिए रिजर्व रहेगा कोटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 5 केजी वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों का डेली एलोकेशन (यानी एक दिन की लिमिट) दोगुना कर दिया है। बढ़ा हुआ कोटा खास तौर पर प्रवासी मजदूरों के लिए रिजर्व रहेगा। ये छोटे सिलेंडर किराने की दुकान और पेट्रोल पंप से खरीदे जा सकेंगे। सरकार ने 2-3 मार्च की औसत सेल के आधार पर 5 केजी वाले एलपीजी सिलेंडर की एक्स्ट्रा सप्लाई देने का फैसला किया है, जो पहले से तय 20 फीसदी की लिमिट से अलग होगी। अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हो रही है। इसलिए

प्रवासी मजदूरों और कम आय वाले वर्ग को राहत देने के लिए यह फैसला लिया गया है।

बिना एड्रेस प्रूफ मिलेगा 5 केजी वाला सिलेंडर

केंद्र सरकार ने 5 केजी वाले एलपीजी सिलेंडर की बिक्री के नियमों को आसान बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी एड्रेस प्रूफ के छोटा गैस सिलेंडर खरीद सकेगा। इस सिलेंडर को खरीदने के लिए कोई सिक्योरिटी राशि जमा करने की जरूरत भी नहीं होगी। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, यह कदम प्रवासी मजदूरों और उन लोगों के लिए उठाया गया है, जिनके पास शहर में कोई स्थायी पता नहीं है।

सप्लाई पर असर के कारण छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाई

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव की वजह से एनर्जी लॉजिस्टिक्स पर असर पड़ा है। इसे देखते हुए सरकार ने छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाने का भी फैसला किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 23 मार्च से अब तक लगभग 6.6 लाख छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। अकेले 4 अप्रैल को ही 90,000 यूनिट्स की बिक्री हुई। अधिकारियों का कहना है कि डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट्स पर स्टॉक की कोई कमी नहीं है। कामकाज के लिए दूसरे शहरों में रहने वाले लोगों की मदद के लिए सरकार ने एचपीसीएल के चुनिंदा आउटलेट्स पर 11 विशेष हेल्प डेस्क बनाई हैं।

समाज जैसा बनेगा वैसा ही देश बनेगा

संत मलूक दास की 452वीं जयंती के कार्यक्रम में बोले संघ चीफ मोहन भागवत

कहा-संत भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए काम करें, वृंदावन में संत के पैर छुए

मथुरा (एजेंसी)। संत मलूक दास की मंगलवार को 452वीं जयंती थी। वृंदावन के मलूक पीठ में उनका जन्मोत्सव

कार्यक्रम मनाया गया। इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। भागवत ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख ने कहा- समाज को गो-भक्त बनाया जाए, तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है। वे करना चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में साहसी कदम उठाने के लिए समाज का साथ जरूरी है। गो-जागृति को मजबूत करना होगा। जब जनभावना तैयार हो जाएगी, तो व्यवस्था को भी उसे मानना पड़ेगा। भारत की यही सामूहिक इच्छा बन जाएगी।

संघ प्रमुख ने सूर्य से जुड़ा हुआ किस्सा सुनाया

संघ प्रमुख ने कहा- सूरज (सूर्य) ने सोचा कि छुट्टी पर जाएंगे। उन्होंने सभी देवताओं को बुलाया और कहा- भाई, मैं छुट्टी पर जा रहा हूं। मेरा चार्ज कौन लेगा लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। आखिर में एक दीप खड़ा हुआ और बोला- मुझे नहीं पता कि मैं आपका चार्ज ले सकता हूं या नहीं। लेकिन जब तक मेरा तेल और बाती कायम है, तब तक मैं जलता रहूंगा।

एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एयर इंडिया ने नए सीईओ की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में

अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एअर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था। उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए सीईओ की नियुक्ति करेगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी।

बंगाल की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो अंजाम बुरा होगा

- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को दिलाई 1971 की याद

कोलकाता (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को एक बार फिर तगड़ी लताड़ लगाई है। इस बार इसकी वजह पाकिस्तान की ओर से बीते दिनों आई गीदड़भभकी है। बीते दिनों पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने

भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कोलकाता तक घुसकर हमला करने की बात कही थी, जिसके बाद अब राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को उसकी औकात याद दिलाई है। रक्षा मंत्री ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान को 55 साल पहले की वह घटना भूलनी नहीं चाहिए जब उसने बंगाल पर आंख उठाने की जुर्रत की थी तब कैसे वह दो टुकड़ों में बंट गया था।

- ख्वाजा आसिफ ने दी थी गीदड़भभकी- इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बीते शनिवार को भारत को गीदड़भभकी दी थी। ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस की कोशिश का जवाब कोलकाता में हमले से दिया जाएगा। आसिफ ने अपने होमटाउन सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए एक बयान में कहा था, अगर भारत इस बार हमें जिम्मेदार ठहरा कर कोई ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम कोलकाता तक निशाना साधेंगे। अब राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को समझा दिया है।

16 साल बाद पकड़ा गया लश्कर का खतरनाक आंतकी अबू हुरैरा

- कश्मीर में बड़ी सफलता, चार अन्य को भी दबोचा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले का एक साल पूरा होने से पहले लश्कर ए तैयबा के आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने अंतर-राज्यीय इस मॉड्यूल में कुल पांच लोगों को अरेस्ट किया है। इसमें 16 साल से चकमा देर रहा लश्कर को कुख्यात आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार यह कफी समय से पकड़ से बच रहा था। बताया जा रहा है कि आतंकी का संपर्क कई नेटवर्क के साथ है। गौरतलब हो कि पिछले साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान से आए आतंकियों ने पहलगाम में 27 पर्यटकों को मारकर पूरे देश को झकझोर दिया था। जम्मू कश्मीर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है।

पांच में से तीन श्रीनगर के रहने वाले

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए लोगों में श्रीनगर के तीन निवासी शामिल हैं जिसमे मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा है। जिन पर आतंकियों को पनाह देने, खाना खिलाने और अन्य तरह की मदद करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि एक विदेशी आतंकी, राज्यों में सक्रिय लश्कर नेटवर्क की मदद से, जाली दस्तावेजों और फर्जी पहचान का इस्तेमाल करते थे।

दो बच्चों की मौत के बाद मणिपुर में फिर बवाल

भड़की हिंसा, पुलिस फायरिंग-आगजनी, 5 जिलों में इंटरनेट बंद

इंफाल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सोमवार रात संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा रॉकेट और मिसाइलों से किए गए हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई और उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस घटना के बाद वहां भारी विरोध-प्रदर्शन हुआ है और इलाके में हिंसा भड़क उठी है। इसे देखते हुए सुरक्षा बलों को फायरिंग करनी पड़ी। सुरक्षा बलों की इस फायरिंग में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए।

पुलिस थाने पर हमला, आगजनी

इस घटना के विरोध में सुबह होते-होते बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और सड़कें जाम कर दीं। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने वहां पुलिस पिकेट को भी निशाना बनाया और पेट्रोल पंप के पास दो तेल टैंकरों और एक ट्रक सहित कई वाहनों में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने मोइरांग पुलिस थाने के बाहर टायरों में भी आग लगा दी। पुलिस की एक अस्थायी चौकी में भी तोड़फोड़ की गई। जैसे-जैसे तनाव बढ़ता गया, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया।

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस फायरिंग

अधिकारियों के मुताबिक जब प्रदर्शनकारी बेकाबू होने लगे, तब उन्हें काबू में करने के लिए और उन्हें तितर बितर करने के लिए फायरिंग की गई, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इसके बाद स्थिति और गंभीर हो गई लेकिन पूरे इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने के बाद हालात पर काबू पा लिया गया। हालांकि, स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। यह इलाका चुराचंदपुर जिले के निकट है, जो कुकी उग्रवाद का गढ़ है। मणिपुर संकट की शुरुआत इसी जिले में तीन मई, 2023 को हुई थी। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने इस हमले की कड़ी निंदा की है।

पंजाब में नवजोत की पत्नी नवजोत का नया सियासी दांव

9 साल पुरानी पार्टी का पोस्टर शेयर कर बढ़ाई हलचल, कांग्रेस छोड़ चुकीं

अमृतसर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस के पूर्व पंजाब अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अब नया दांव खेला है। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर नई दिल्ली की 9 साल पुरानी भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का पोस्टर शेयर किया है। कयास लगाया जा रहा कि वह अब इसी पार्टी का झंडा उठाकर पंजाब के विधानसभा चुनाव में उतरेंगी। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हुई की उन्होंने इस पार्टी को जॉइन कर लिया।

लेकिन इससे अब उनके बीजेपी में जाने अटकलों पर रोक

लग गई है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा- हमने राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प का काम किया है, जिसमें हमने वर्तमान राजनीतिक नेताओं के प्रदर्शन मानकों का गहराई से अध्ययन और मूल्यांकन किया है। हम केवल अपने देश के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहते हैं और लोगों को वही देना चाहते हैं, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं और हमसे अपेक्षा रखते हैं। नवजोत कौर ने पार्टी की घोषणा के लिए की गई पोस्ट में ये लिखा-एक जैसी सोच के लोगों को जोड़ा- नवजोत कौर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि यह एक दिव्य प्रेरणा है, जिसने कुछ समान सोच वाले लोगों को एक साथ जोड़ा है, जिनमें क्षमता, आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ संकल्प है कि वे हर राज्य में एक समान लक्ष्य के साथ काम करें। न्याय, शांति और प्रेम के माध्यम से उच्च चेतना की ऊर्जा के साथ कार्य करते हुए वही प्रदान करें जो वाहेगुरु जी हमसे चाहते हैं।

पंजाब को खोई हुई गरिमा वापस दिलाएंगे

डॉ नवजोत कौर ने पोस्ट में आगे लिखा कि हम पंजाब को उसकी खोई हुई गरिमा दिलाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे, ताकि वह फिर से एक स्वर्णिम राज्य बन सके। जहां लोग प्रेम, साझेदारी, न्याय, स्वतंत्रता के अधिकार और नि:स्वार्थ सेवा के उद्देश्य के साथ आध्यात्मिक विकास की राह पर चलें और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के अपने लक्ष्य, मूल्यों और दृष्टिकोण को प्राप्त करें। डॉ नवजोत कौर सिद्धू ने लिखा कि हम एक ऐसी सरकार देंगे जो जनता की हो, जनता के लिए हो और जनता द्वारा चलाई जाए। पंजाब के लोगों की सरकार होगी। सत्य और प्रेम के मार्ग पर चलते हुए, आध्यात्मिक गुरुओं की सहायता से ठीक किया जाएगा।

यूपी के शिक्षामित्रों को मई से मिलेगा बढ़ा मानदेय

- 1.43 लाख शिक्षामित्रों और 24 हजार अनुदेशकों को राहत

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला, सरकार पर अतिरिक्त बोझ

लखनऊ (एजेंसी)। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी के फैसले पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले वर्ष पांच सितंबर, शिक्षक दिवस के अवसर पर इसकी घोषणा की थी, जिसे अब एक अप्रैल से लागू कर दिया गया है। बढ़ा हुआ मानदेय एक मई से उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा। इसके तहत परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों को अब 18 हजार रुपये और अंशकालिक अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इससे पहले

शिक्षामित्रों को 10 हजार और अनुदेशकों को 9 हजार रुपये मानदेय दिया जा रहा था। कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इनमें से 1,29,332 शिक्षामित्रों का मानदेय अब तक समग्र शिक्षा अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60-40 के अनुपात में दिया जाता रहा है। मानदेय बढ़ने के बाद इन पर 1138.12 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय आएगा, जिसे प्रदेश सरकार वहन करेगी।

संक्षिप्त समाचार

49 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गंगाब्रिज थाना क्षेत्र से 49 ग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि तेरसिया गिदरवा टोला में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कार्रवाई की गई। सदर-01 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुबोध कुमार के नेतृत्व में गंगाब्रिज थानाध्यक्ष और दंडाधिकारी की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। इस दौरान मालीपुर, नगर थाना क्षेत्र निवासी लक्की कुमार (पिता स्व. रमेश राय) को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान आरोपी के पास से 49 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बरामद मादक पदार्थ की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है। इस मामले में गंगाब्रिज थाना में कांड संख्या 91/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस पूछताछ में आरोपी लक्की कुमार ने बताया है कि वह हेरोइन किससे खरीदता था और किन इलाकों में इसकी सप्लाई करता था। इन जानकारियों के आधार पर पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए हर स्तर पर कार्रवाई की जाएगी और किसी भी तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा।

वैशाली में अवैध हथियारों के साथ एक व्यक्ति पकड़ाया, देसी कट्टा और कारतूस बरामद

हाजीपुर। वैशाली में जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने 5 अप्रैल 2026 को अवैध हथियारों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी कुंदन कुमार सिंह के पास से एक देशी कट्टा, एक बंदूक और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंटिव पुलिसिंग के तहत की गई। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर सुबोध कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था, जिसमें जुड़ावनपुर थानाध्यक्ष भी शामिल थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चकसिंगार निवासी कुंदन कुमार सिंह अपने घर में अवैध हथियार छिपाकर रखे हुए हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थल की घेराबंदी की और छापेमारी की। इस दौरान चकसिंगार निवासी कुंदन कुमार सिंह (पिता बिपीन कुमार सिंह) को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक देशी कट्टा, एक बंदूक (जो तीन भागों में खुली हुई थी) और आठ जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस संबंध में जुड़ावनपुर थाना में कांड संख्या 77/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

7 साल की बच्ची का अपहरण, मासूम को लेकर प्रेमी के साथ फरार हुई भाभी, 5 लाख फिरौती की डिमांड

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र में सात साल की बच्ची को किडनैप करना का मामला सामने आया है। किडनैपर्स ने 5 लाख रुपए की फिरौती की मांगी है। डिमांड पूरी न होने पर बच्ची की हत्या की धमकी दी है। मां ने अहियापुर थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। पीड़िता की मां विनीता देवी, जो मूल रूप से शिवराहा चतुर्भुज इलाके की रहने वाली हैं, अपने पति के साथ तमिलनाडु की एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करती हैं। उनकी सात साल की बेटी पिछले कुछ समय से मुजफ्फरपुर के भिखनपुर स्थित अपने ममेरे भाई (भांजे) के घर पर रहकर पढ़ाई कर रही थी। बीते 31 मार्च को विनीता देवी और उनके पति अपनी बेटी को वापस ले जाने के लिए तमिलनाडु से भिखनपुर पहुंचे थे। उस रात वे अपने भांजे के घर पर ही रुके। लेकिन अगली सुबह सोकर उठने पर परिजनों ने पाया कि बच्ची गायब थी। परिजनों ने शुरुआत में अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन जब बच्ची और उसकी भाभी का कहीं पता नहीं चला, तो शक की सुई भांजे के एक पड़ोसी पर जाकर टिकी। आरोप है कि गायब हुई महिला (ममेरे भाई की पत्नी) का उस पड़ोसी के साथ कथित तौर पर प्रेम प्रसंग चल रहा था। जब बच्ची के माता-पिता उस पड़ोसी के घर पहुंचे, तो मामला और भी गंभीर हो गया। आरोपी की मां ने अपने बेटे और उसकी प्रेमिका के साथ मिलकर बच्ची को किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर छिपा रखा है। पूछताछ करने पर आरोपी महिला ने 5 लाख रुपए की मांग की। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने साफ लहजे में धमकी दी है कि अगर उन्हें पैसे नहीं मिले, तो वे बच्ची की हत्या कर देंगे। इस कांड में पीड़िता ने तीन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, इस संबंध में अहियापुर इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। तकनीकी साक्ष्यों और सूचनाओं के आधार पर आरोपी महिला और उसके सहयोगियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। बच्ची की सुरक्षित बरामदगी हमारी पहली प्राथमिकता है। फिलहाल, पुलिस प्रेम प्रसंग और रंजिश समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच को आगे बढ़ा रही है।

गैस संकट से जूझ रहा बेला इंडस्ट्रियल एरिया, 20 दिनों से टंकी-पाइप उत्पादन ठप, 90 प्रतिशत फैक्ट्रियां बंद

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के बेला औद्योगिक क्षेत्र में इन दिनों उद्योगों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक ओर जहां रॉ मटेरियल की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहीं दूसरी ओर कॉमर्शियल एलपीजी गैस की भारी किल्लत ने फैक्ट्रियों के संचालन को लगभग ठप कर दिया है। इसका असर सबसे ज्यादा पानी की टंकी और पाइप बनाने वाली इकाइयों पर पड़ा है, जो गर्मी के मौसम में सबसे अधिक मांग में रहती हैं। उद्यमियों का कहना है कि पिछले 20 दिनों से टंकी और पाइप का उत्पादन पूरी तरह से बाधित है। पुराना स्टॉक खत्म हो चुका है और नई सप्लाई नहीं होने से बाजार में भी संकट गहराने लगा है। खासकर सरकार की नल-जल योजना से जुड़े ठेकेदार लगातार टंकी और पाइप की मांग कर रहे हैं, लेकिन फैक्ट्रियां उत्पादन करने में असमर्थ हैं। बेला स्थित कई उद्योगों में ताले लटक गए हैं। प्लास्टिक, बेकरी और अन्य गैस-आधारित इकाइयों को भी उत्पादन बंद करना पड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, क्षेत्र की करीब 90% फैक्ट्रियां या तो बंद हो चुकी हैं या उनका उत्पादन घटकर 20 से 30 प्रतिशत तक रह गया है। इसी समस्या को समझने के लिए जब भास्कर की टीम बेला स्थित श्री श्याम इंडस्ट्रीज पहुंचे, तो वहां की स्थिति काफी चिंताजनक दिखी। फैक्ट्री के मैनेजर शांतनु अग्रवाल ने बताया कि गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई है। पहले हर महीने 70 से 100 कॉमर्शियल सिलेंडर की जरूरत होती थी, लेकिन अब मुश्किल से 7-8 सिलेंडर ही मिल पा रहे हैं। इतने में मशीनें सिर्फ गर्म होती हैं, उत्पादन संभव नहीं हो पाता। पिछले 10 दिनों से यूनिट पूरी तरह बंद है। गर्मी का समय हमारा पीक सीजन होता है। इन्हीं 3-4 महीनों की कमाई से सालभर का खर्च चलता है, लेकिन इस बार हालात बेहद खराब है। उत्पादन ठप होने का सीधा असर मजदूरों पर भी पड़ा है। पहले जहां 10-15 मजदूर काम करते थे, अब सिर्फ 2-3 लोगों को ही रखा गया है, वह भी केवल देखरेख के लिए। बाकी मजदूरों को या तो वापस भेज दिया गया है या बिना काम के वेतन देना पड़ रहा है, जिससे उद्यमियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उद्यमी शांतनु ने पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन को भी फिलहाल अव्यवहारिक बताया। उनके अनुसार पीएनजी कनेक्शन लेने में करीब 10 लाख रुपए तक का खर्च आएगा, जिसमें 6 लाख रुपए केवल डिपॉजिट है। इसके अलावा मौजूदा मशीनें एलपीजी पर आधारित हैं, उन्हें बदलना पड़ेगा, जो और महंगा पड़ेगा। बेला के एक अन्य उद्यमी अवनीश किशोर ने बताया कि क्रूड ऑयल की कीमतों और गैस आपूर्ति में सुधार का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन फिलहाल कोई ठोस समाधान नजर नहीं आ रहा। अगर स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो इसका असर लंबे समय तक उद्योग और बाजार दोनों पर पड़ेगा। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की टंकियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में उत्पादन ठप होने से आने वाले दिनों में आम लोगों को भी पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है।

जमीन के विवाद में मां और बेटे को मार डाला, 3 घायल

एजेंसी, पटना

- भाई के साथ विवाद था, खेत से लौटते वक्त कुदाल से मारा था

मोकामा में दो भाइयों के बीच जमीन विवाद है। चाचा ने मंगलवार की सुबह अपने 2 बेटों के साथ मिलकर भतीजे की हत्या कर दी। वहीं मां मंजू देवी की भी इलाज के दौरान मौत होने की खबर है। मृतक अजय यादव का बेटा राजीव कुमार (32) है। अजय अपने बेटे राजीव के साथ खेत गए थे। गेहूं की कटनी के बाद घर लौट रहे थे। रास्ते में अजय के भाई विजय ने अपने बेटों के साथ हमला कर दिया। भतीजे को ईंट-पत्थर से मारा, फिर कुदाल से हमला किया। वहीं, 4 लोग घायल भी हुए हैं। घायलों में छोटा भाई कृष्णा कुमार, भगना विवेक कुमार और पिता अजय यादव हैं। इन्हें मोकामा ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घटना साहबेगपुर मोहल्ले की है। ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने कहा कि जमीनी विवाद में दो भाई में मारपीट की घटना हुई है। एक भाई के परिजन दूसरे भाई और उसके परिजन पर हमला किये है। कुदाल से भी हमला किया गया है।

4 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद है: मृतक के मंझले भाई कन्हैया कुमार ने कहा कि फसल लगी थी। जिसे काटने के लिए हम सब खेत गए थे। चाचा ने पूरी प्लानिंग कर रखी थी। उनलोगों ने हमें घेर लिया। मेरे बड़े भाई को टारगेट कर लिया था। वे लोग करीब 8 लोग थे। हमारे तरफ से उतने लोग नहीं थे। उनलोगों ने कुदाल से हमला कर दिया। 4 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद है, जबकि 13 कट्ठा का प्लॉट है। स्थानीय लोगों ने बताया कि फसल की कटाई को लेकर दो परिवार के लोग आपस में भिड़ गए थे। परिवार में एक अन्य व्यक्ति के सिर पर कुदाल का वार किया गया था, जिन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच रेफर कर दिया गया, जिनकी हालत भी गंभीर बनी है।

अजय और विजय के बीच जमीन विवाद का पुराना विवाद है। दोनों भाइयों के बीच संपत्ति का बंटवारा हो चुका है, पर घर के पास एक जमीन है, उस जमीन को लेकर दोनों में अक्सर कहासुनी और विवाद होता आ रहा है। हमले के बाद राजीव कुमार मौके पर काफी देर तक पड़ा रहा। पुलिस मौके पर पुहंची तो तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, पर उसकी जान नहीं बची। ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने कहा कि दो भाइयों के परिवारों के बीच मारपीट हुई। एक भाई के परिवार ने दूसरे भाई और उसके परिवार पर कुदाल से हमला किया, जिसमें राजीव कुमार की मौत हो गई। यह विवाद पुराना बताया जा रहा है, हालांकि थाने में इसकी कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। पुलिस ने आरोपी पक्ष से तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मृतक का चाचा विजय और उसके 2 बेटे शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, अजय यादव अपनी पत्नी और दोनो बेटे के साथ खेत से काम कर घर लौट रहा था। विजय यादव अपने दोनों बेटे के साथ घर के पास ही बैठा हुआ था। उसके पहुंचते ही उनलोगों पर ईंट पत्थर से हमला कर दिया और कुदाल से मारकर घायल कर दिया। पुलिस घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर के अनुसार ज्यादा ब्लीडिंग होने से युवक की मौत हो गई।

सफाईकर्मियों के बच्चे यूपीएससी-बीपीएससी की फ्री में करेंगे तैयारी

एजेंसी, पटना

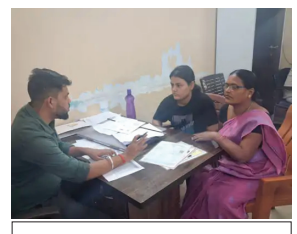

- पटना नगर निगम ने शुरू किया 'प्रोजेक्ट उड़ान', तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग

पटना नगर निगम के सफाईकर्मियों के बच्चे अब UPSC, BPSC, JEE और NEET जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी फ्री में कर सकेंगे। पटना नगर निगम की ओर से 'प्रोजेक्ट उड़ान' की शुरुआत की गई है। इसके तहत निगम के स्थायी, दैनिक वेतनभोगी और आउटसोर्सिंग व्यवस्था से जुड़े सभी सफाईकर्मियों, सफाई निरीक्षकों और मुख्य सफाई निरीक्षकों के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी।

विद्यार्थियों का चयन उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर होगा: पटना नगर निगम के सभी अंचलों में असिस्टेंट पब्लिक सैनिटरी एंड वेस्ट मैनेजमेंट ऑफिसर की ओर से सफाईकर्मियों के परिवारों से संपर्क कर एलिजिबल अभ्यर्थियों की सूची तैयार की जा रही है। सोमवार तक 35 अभ्यर्थियों ने इस पहल का लाभ लेने में रूचि दिखाई है। इच्छुक विद्यार्थियों का चयन उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। इसके बाद प्रारंभिक परीक्षा आयोजित कर अंतिम चयन सूची तैयार की जाएगी। फिलहाल अभ्यर्थियों की संख्या पर कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। विद्यार्थियों की पढ़ाई और अन्य आवश्यक खर्चों के लिए CSR साझेदारी के माध्यम से पूरी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा कि निगम के सफाईकर्मियों और उनके परिवारों को सम्मानपूर्ण जीवन देना हमारी जिम्मेदारी है। 'प्रोजेक्ट उड़ान' का उद्देश्य केवल बच्चों को कोचिंग उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उनके सपनों को साकार करने का अवसर देना है। यह पहल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देगी और सफाईकर्मियों के परिवार को सशक्त बनाएगी, ताकि उनके बच्चों को बेहतर अवसर मिल सकें और समाज में समानता स्थापित हो सके।

पटना में सरकारी क्वार्टर सील, सिलेंडर की रिफिलिंग होती थी

एजेंसी, पटना

पटना में जिला प्रशासन ने सरकारी क्वार्टर कैंपस 229 को सील किया है। एक नोटिस भी लगाया है। जिसपर अनुमंडल पदाधिकारी के हवाले से लिखा है अवैध गतिविधि की सूचना पर कार्रवाई की गई है। सील को प्रशासन की उपस्थिति में ही खोला जाएगा। कैंपस के ठीक सामने सरकारी स्कूल है। बगल में वार्ड नंबर 42 के पार्षद का ऑफिस और दुकानें हैं। दुकानदार के बारे में स्थानीय युवक ने जिला प्रशासन को गैस रिफिलिंग और कालाबाजारी के बारे में सूचना दी थी। इसी आधार पर प्रशासन ने सरकारी कैंपस को सील कर दिया। कैंपस में ही सिलेंडर रखे जाते थे। मामला कदमकुआं इलाके के काजीपुर रोड नंबर-2 का है। लिंडर उतारते वीडियो आया सामने एक वीडियो सामने आया है। जिसमें बगल का दुकानदार एक पिकअप वैन से कॉमर्शियल सिलेंडर उतारते देखा जा रहा है। शिकायत करने वाले युवक का दावा है कि इसी तरीके से दुकानदार गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और रिफिलिंग करता है। फिलहाल प्रशासन की ओर से की गई कार्रवाई के बाद बगल का दुकानदार अपनी दुकान बंद करके फरार है।

कारोबारी को गोली मारने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

- इनमें एक व्यापारी का ड्राइवर, 3 पिस्टल के साथ 22 कारतूस बरामद

पटना में 1 अप्रैल की देर रात बदमाशों ने कोरोबारी दिलीप सिंह को गोली मारी थी। कारोबारी को रूबन अस्पताल में एडमिट कराया गया था। अभी उनकी स्थिति सामान्य है। मामले में पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार किया है। सेंट्रल SP दीक्षा ने बताया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए SIT का गठन किया गया। SIT का नेतृत्व सचिवालय sdpo2 साकेत कुमार कर रहे थे। इस मामले में चंदन कुमार (33) और शिवम चौधरी (26) को अरेस्ट किया गया है। इन लोगों पर एविडेंस छुपाने और आरोपियों की मदद करने का आरोप है। इसमें 6 लोग संलिप्त पाए गए हैं। इनके पास से तीन पिस्तौल, एक देसी कट्टा, चार मैगजीन, 22 कारतूस, एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल, फोन बरामद किए गए हैं। दोनों के पास 3 पिस्टल, 22 कारतूस, एक मैगजीन, एक लोडेड कट्टा मिला है। घटना शिवपुरी सीपी ठाकुर रोड नंबर-2 स्थिति अपार्टमेंट की है।

कैमरे से बचने के लिए रॉन्ग साइड से भागे थे: पुलिस सूत्रों की माने तो घटना को अंजाम देने के बाद दोनों शूटर और लिंक रोड से भाग कर मैनपूरा पहुंचे थे। इसी इलाके में अपनी बाइक किसी जगह खड़ी करके ऑटो पकड़ लिए थे। भागने के दौरान कैमरे से बचने के लिए रॉन्ग साइड रास्तों का इस्तेमाल किया था।

प्रेम-प्रसंग में घटना की आशंका: आशंका है कि प्रेम-प्रसंग और रुपए के विवाद में इस घटना को अंजाम दिया गया है। आरोपी ने पुलिस को बताया है कि घटना के बाद से उनका एक मोबाइल फोन मिस है। पुलिस फोन की रिकवरी में भी लगी है।

3 दिन होटल में ठहर कर रेकी की: पाटलिपुत्र थाना से सेट होटल में दोनों शूटर ठहरे थे। होटल के मैनेजर शिवम और आरोपी का ड्राइवर पंकज शूटर की खातिरदारी कर रहे थे। तीन दिनों तक शूटर के साथ मिलकर पंकज और शिवम ने दिलीप सिंह के आने जाने वाले रास्तों और घर की रेकी की। 30 अप्रैल की रात पंकज ने शूटर को बाइक और हथियार दिलीप सिंह को करने के लिए दिए थे। होटल से ही दोनों शूटर दिलीप सिंह के अपार्टमेंट के पास गए थे। वहां घटना को अंजाम देने के बाद होटल में पहुंचे वहां पंकज को हथियार दिए। पंकज ने इसके बाद दोनों को एक ऑटो बैठाया और दोनों फरार हो गए। पंकज ने इन शूटर को भगाने के बाद होटल के मैनेजर शिवम को हथियार छुपाने के लिए दिए थे। पुलिस ने इस पूरे मामले में संलिप्त आरोपियों की पहचान कर ली है। दोनों शूटर में से एक शूटर पटना का रहने वाला है। हालांकि मुख्य आरोपी और शूटर अभी पकड़े नहीं गए हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। अभी तक की जांच में पर्सनल और प्रोफेशनल वजह घटना के पीछे निकल कर आई है।

40 करोड़ की जमीन के लिए चल रहा खूनी संघर्ष

एजेंसी, पटना

- पटना के गोपालपुर में 2 लोगों को लगी थी गोली, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

गोपालपुर थाना क्षेत्र के बादशाही पइन के पास सोमवार को जमीन विवाद में गोलीबारी की घटना हुई थी। इसमें ओम प्रकाश यादव और जितेंद्र कुमार को गोली लगी थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी उदय सिंह को अरेस्ट किया है। ओम प्रकाश राय की ओर से उदय सिंह और उसके दोनों बेटे गौरव सिंह और उज्जवल सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। ओम प्रकाश यादव का आरोप है कि वह अपने प्लॉट पर गए थे। इसी दौरान उदय सिंह और उनके दोनों बेटों ने गोली मार दी। गौरव सिंह और उज्जवल सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। ओम प्रकाश यादव का आरोप है कि वह अपने प्लॉट पर गए थे। इसी दौरान उदय सिंह और उनके दोनों बेटों ने गोली मार दी।

2 बीघा प्लॉट का विवाद: गिरफ्तारी के बाद पुलिस की पूछताछ में उदय सिंह ने विवादित प्लॉट पर अपना दावा पेश किया है। उसने बताया है कि 31 मार्च 2026 को जमीन रजिस्ट्री कराई है। इसी जमीन पर ओम प्रकाश यादव अपना दावा पेश कर रहे हैं। मैं जमीन पर बाउंड्री वॉल कर रहा था। इसी को लेकर विवाद बढ़ा। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि 2 बीघा का प्लॉट है। ओम प्रकाश यादव ने घटना से पहले गोपालपुर थाने में उदय सिंह के खिलाफ शिकायत की थी। अभी इस पर कार्रवाई चल रही थी। पुलिस की ओर से ओम प्रकाश यादव को प्लॉट पर जाने से मना किया गया था। उससे पहले ओम प्रकाश यादव प्लॉट पर चले गए। फिलहाल उदय सिंह को अरेस्ट कर लिया गया है। इनके दोनों बेटे लाइसेंसी हथियार लेकर फरार हो गए हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इनके पास दो लाइसेंसी हथियार है। इसे कैंसल करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। वर्ष 2024 में भी उनके लाइसेंस के कैंसिलेशन का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा गया था। किस वजह से लाइसेंस कैंसिल नहीं हुआ और दोबारा इन्हें हथियार निर्गत हो गया। इसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

दोनों बेटे लाइसेंसी हथियार लेकर फरार हैं: घटना से पहले गोपालपुर थाने में उदय सिंह के खिलाफ शिकायत की थी। अभी इस पर कार्रवाई चल रही थी। पुलिस की ओर से ओम प्रकाश यादव को प्लॉट पर जाने से मना किया गया था। उससे पहले ओम प्रकाश यादव प्लॉट पर चले गए। फिलहाल उदय सिंह को अरेस्ट कर लिया गया है। इनके दोनों बेटे लाइसेंसी हथियार लेकर फरार हो गए हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इनके पास दो लाइसेंसी हथियार है। इसे कैंसल करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। वर्ष 2024 में भी उनके लाइसेंस के कैंसिलेशन का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा गया था। किस वजह से लाइसेंस कैंसिल नहीं हुआ और दोबारा इन्हें हथियार निर्गत हो गया। इसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

लंबे समय से चल रहा है विवाद: ओम प्रकाश यादव और उदय सिंह के बीच में विवाद चल रहा है। जिस प्लॉट पर विवाद हो रहा है, उसकी कीमत लगभग 40 करोड रुपए है। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि उदय सिंह का भी कारोबार जमीन से जुड़ा है। उनके बेटे भी इसी काम में है।

इग्नूका आज 39वां दीक्षांत समारोह, 20,608 शिक्षार्थियों को डिग्री मिली

स्नातक के 11918 स्टूडेंट्स को मिला सर्टिफिकेट

एजेंसी, पटना

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) का 39वां दीक्षांत समारोह आज मनाया गया। इसे लेकर रवीन्द्र भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां विशिष्ट अतिथि के रूप में चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति फैजान मुस्तफा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर कुल 20,608 शिक्षार्थियों को डिग्री दी गई। इनमें पीजी के 7606, स्नातक के 11,918, डिप्लोमा के 935 और सर्टिफिकेट के 149 विद्यार्थी शामिल हैं। देशभर में इग्नू के 60 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से लगभग 2,99,092 छात्रों को डिग्री दी गई।

मुकेश कुमार ने BAKSH कार्यक्रम में स्वर्ण पदक हासिल किया: 610 (स्नातकोत्तर कार्यक्रम), 85 (BCA) और 25 शिक्षार्थियों (BEd) को उनकी उपाधियां समारोह में व्यक्तिगत रूप से दी गई, जबकि शेष शिक्षार्थियों को कार्यक्रम में निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से दी गई। इस अवसर पर इग्नू क्षेत्रीय केंद्र पटना के शिक्षार्थी मुकेश कुमार ने BAKSH कार्यक्रम में स्वर्ण पदक प्राप्त कर क्षेत्रीय केंद्र का नाम रोशन किया। देशभर के क्षेत्रीय केंद्रों में इसे लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं, मुख्य समारोह नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में हुआ, जहां देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसका लाइव प्रसारण पटना क्षेत्रीय केंद्र के समारोह रवीन्द्र भवन में किया गया।

'तेजस्वी मां-बहन से हस्ताक्षर करवाकर बताएं शराबबंदी गलत है'

एजेंसी, पटना

बिहार में शराबबंदी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने हाल ही में इस मुद्दे को लेकर सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने अपने 'X' अकाउंट के जरिए शराबबंदी कानून पर कई सवाल उठाए हैं। तेजस्वी यादव के आरोपों पर जनता दल (यूनाइटेड) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी केवल सवाल उठा रहे हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं दे रहे। नीरज कुमार ने चुनौती देते हुए कहा कि तेजस्वी अपने परिवार से लिखित समर्थन लें। उन्होंने कहा कि तेजस्वी अपनी मां, पत्नी और बहन से हस्ताक्षर करवाकर बताएं कि शराबबंदी गलत है। जदयू प्रवक्ता ने यह भी कहा कि विपक्ष को इस मुद्दे पर अपना स्पष्ट रूख जनता के सामने रखना चाहिए। तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि राज्य में शराबबंदी पूरी तरह से विफल साबित हो चुकी है। इस कानून के चलते अवैध शराब का कारोबार तेजी से बढ़ा है। उनके मुताबिक बिहार में यह अवैध धंधा करीब 40 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। नीरज कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल पर भी निशाना साधा, उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के दौरान राजद को शराब कंपनियों से भारी चंदा मिला था। उनके अनुसार यह राशि करीब 46 करोड़ 64 लाख रुपए थी। उन्होंने मांग की कि इस फंडिंग की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

हर बड़े मामले की जांच करने पहुंचेगी एफएसएल

एजेंसी, पटना

- डीजीपी बोले- 13 फॉरेंसिक लैब चालू होंगे, अब 13000 मामले में होती है फॉरेंसिक जांच

बिहार में अब अपराधों की जांच को अधिक वैज्ञानिक और मजबूत बनाया जाएगा। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने घोषणा की है। जिन मामलों में सात साल या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, उनमें घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम की उपस्थिति अनिवार्य होगी। इस कदम से पुलिस अब गवाहों और बयानों के बजाय वैज्ञानिक साक्ष्यों पर अधिक निर्भर करेगी। डीजीपी ने यह जानकारी पटना स्थित पुलिस मुख्यालय के सरदार पटेल भवन में आयोजित एक फॉरेंसिक कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। इस कार्यशाला में देशभर से आए वैज्ञानिक और फॉरेंसिक विशेषज्ञ शामिल हुए। डीजीपी ने बताया कि बिहार पुलिस अपनी फॉरेंसिक व्यवस्था को तेजी से सुदृढ़ कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य अपराधियों को त्वरित और उचित दंड दिलाना है।

13 फॉरेंसिक साइंस लैब को चालू करने की पूरी तैयारी: डीजीपी के अनुसार, राज्य में कुल 13 फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) को पूरी तरह से चालू करने की तैयारी चल रही है। इनमें चार स्थायी और नौ क्षेत्रीय लैब शामिल हैं। इन लैब के लिए कर्मचारियों की भर्ती, आवश्यक उपकरणों की खरीद और भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि अगले एक से दो साल में ये सभी लैब अपनी पूरी क्षमता से कार्य करना शुरू कर देंगे। अपराधों को सुलझाने में डीएनए (DNA) जांच की बढ़ती अहमियत को देखते हुए, बिहार में तीन से चार नए डीएनए लैब खोलने की योजना है। इसके लिए केंद्र सरकार की फॉरेंसिक एजेंसियों से सहायता मांगी गई है। इन नए लैब से हत्या, दुष्कर्म और अन्य गंभीर मामलों की जांच में अधिक सटीकता आने की उम्मीद है। डीजीपी ने यह भी बताया कि जिन 28 जिलों में अभी क्षेत्रीय फॉरेंसिक लैब उपलब्ध नहीं हैं, वहां भी काम तेजी से जारी है। इन जिलों को मोबाइल फॉरेंसिक लैब (वैन) की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक जांच संभव हो सकेगी और न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी।

44 पुलिस जिलों को 50 मोबाइल फॉरेंसिक वैन मिली: इन वैन में मौके पर ही जांच करने की सुविधा होती है। जरूरत के अनुसार इनकी संख्या आगे और बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, पटना और राजगीर में साइबर फॉरेंसिक लैब भी खोले जाएंगे, जिससे ऑनलाइन अपराधों की जांच में मदद मिलेगी।

पहले से कई गुना बढ़ी जांच क्षमता: डीजीपी ने बताया कि पहले बिहार में फॉरेंसिक जांच की सुविधा बहुत सीमित थी। साल 2012-13 में सिर्फ 700 से 800 मामलों में ही फॉरेंसिक जांच हो पाती थी। अब यह संख्या बढ़कर करीब 13,000 मामलों तक पहुंच गई है। पहले सिर्फ पटना में एक लैब था, लेकिन अब पटना, राजगीर, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में लैब काम कर रहे हैं। इससे जांच की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

एलपीजी गैस आपूर्ति व वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य, प्रशासन की अपील अनावश्यक बुकिंग से बचें

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य एवं सुचारू बनी हुई है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार इंडियन ऑयल (आईओसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) एवं भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) के माध्यम से गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिले में वर्तमान में कुल 115 गैस एजेंसियां सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, जो उपभोक्ताओं तक नियमित रूप से गैस की आपूर्ति कर रही हैं। विगत 01 अप्रैल- 2026 से 07 अप्रैल- 2026 कुल 1,27,888 गैस सिलेंडरों की बुकिंग दर्ज की गई, जबकि 79,948 सिलेंडरों की सफलतापूर्वक डिलीवरी की जा चुकी है। बुकिंग के अनुरूप तेजी से गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वहीं 06 अप्रैल को एक दिन में कुल 14,301 बुकिंग एवं वितरण दर्ज किया गया। कंपनियों से 15,843 सिलेंडर प्राप्त हुए। वर्तमान में जिले में 33,001 सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है, जबकि 92,519 सिलेंडरों की मांग लंबित है। जिले के सभी 115 वितरक सक्रिय रूप से होम डिलीवरी के माध्यम से उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचा रहे हैं, जिससे वितरण व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनी हुई है। जिन गैस एजेंसियों द्वारा होम डिलीवरी में लापरवाही बरती जा रही है, उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला प्रशासन ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से गैस की बुकिंग न करें, गैस का उपयोग केवल घरेलू उद्देश्यों के लिए ही करें, कालाबाजारी या जमाखोरी की किसी भी सूचना को तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष को 06252-242418 पर सूचित करें। वहीं जिला प्रशासन द्वारा स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

रायबारी महुअवा और झारमहुई मदरसा में पुस्तक वितरण

बीएनएम @ बगहाः पश्चिमी चंपारण के बगहा-1 प्रखंड अंतर्गत रायबारी महुअवा और झारमहुई मदरसा नंबर 83 में मंगलवार को भव्य पुस्तक एवं बैग वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मदरसा के हेड मौलवी सब्बीर अहमद काशमी ने कहा कि शिक्षा मानव जीवन का सबसे मूल्यवान धन है। यह केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें जीवन जीने की कला और सही-गलत की पहचान सिखाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा व्यक्ति के मानसिक, सामाजिक और आर्थिक विकास की आधारशिला है और यही समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करती है।कार्यक्रम के दौरान मदरसा अध्यक्ष खलीक कुरैशी और सचिव शफीउररहमान ने संयुक्त रूप से बताया कि बिहार सरकार मदरसों में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने कहा कि मदरसे अब केवल पारंपरिक इस्लामी शिक्षा के केंद्र नहीं रहे, बल्कि यहाँ कुरान, हदीस और अरबी-उर्दू के साथ-साथ हिंदी व अंग्रेजी जैसे विषयों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बच्चे मुख्यधारा से जुड़कर अपनी रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच को विकसित कर सकें।समारोह में मदरसा के सभी छात्र-छात्राओं के बीच नए बैग और पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। नई किताबें और बैग पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय समाजसेवी और अभिभावक उपस्थित रहे, जिन्होंने शिक्षा के प्रति इस सकारात्मक पहल की सराहना की।

चंपारण शराब कांड के दोनों मुख्य सरगना गिरफ्तार

बीएनएम @ पटना। बिहार के पूर्वी चंपारण में जहरीली शराब कांड के मुख्य आरोपियों कन्हैया यादव और सुनील शाह ने पुलिस के बढ़ते दबाव के चलते कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। सदर एसडीपीओ-1 दिलीप कुमार ने इसे पुलिस की बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि दोनों मास्टरमाइंड से पूछताछ में शराब निर्माण और सप्लाई नेटवर्क के अहम सुराग मिले हैं। विशेष लोक अभियोजक अनिल कुमार सिंह ने सरेंडर की पुष्टि की है।गौरतलब है कि तुरकौलिया और रघुनाथपुर थाना क्षेत्रों में जहरीली शराब पीने से अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 8 अन्य का इलाज जारी है। प्रशासन ने पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया है और उत्पाद विभाग के साथ मिलकर सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। जांच में एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आई है। इस घटना ने एक बार फिर शराबबंदी वाले राज्य में अवैध नेटवर्क की जड़ों को उजागर किया है, जिससे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है।

डॉ. पदम भानु ब्रिटिश संसद और ऑक्सफोर्ड में देंगे व्याख्यान

बीएनएम @ बगहाः पश्चिमी चंपारण जिला अंतर्गत बगहा के प्रख्यात होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. पदम भानु सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाकर देश का मान बढ़ाया है। उन्हें लंदन में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित समग्र चिकित्सा सम्मेलन 2026 में विशेष आमंत्रित प्रतिनिधि के रूप में शामिल होने का अवसर मिला है। यह सम्मेलन 10 अप्रैल को ब्रिटिश संसद भवन और 13 अप्रैल को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित होगा, जहाँ डॉ. सिंह कैंसर शोध और होम्योपैथी की प्रभावशीलता पर अपने विचार साझा करेंगे।पिछले 16 वर्षों से कैंसर विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत डॉ. सिंह ने बगहा स्थित 'होमियो कैंसर सेवा अस्पताल' के सीमित संसाधनों से अपना सफर शुरू किया और अब तक 8200 से अधिक मरीजों का सफल उपचार कर चुके हैं। उनकी इस सेवा भावना के लिए उन्हें दुबई, जर्मनी और कजाकिस्तान में भी सम्मानित किया जा चुका है। 8 से 15 अप्रैल तक होने वाली उनकी इस यात्रा को लेकर स्थानीय समाजसेवियों और क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह है। डॉ. पदम भानु सिंह की यह उपलब्धि साबित करती है कि छोटे कस्बों से निकलकर भी समर्पण और मेहनत के बल पर वैश्विक मंच हासिल किया जा सकता है, जो युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

बीएनएम इम्पैक्टः ड्यूटी से गायब सीएचओ से 24 घंटे में जवाब तलब

» पताही हेल्थ सेंटर बंद मिलने की खबर पर जिला स्वास्थ्य समिति सख्त, संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो विभागीय कार्रवाई तय

बीएनएम @ मोतिहारी

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point... bordernewsmirror.com 04 Apr 2026 - Page 3

ड्यूटी से नदारद सीएचओ, ताला बंद मिला हेल्थ सेंटर — डीपीएम ने दिए जांच के आदेश

बीएनएम @ पताही

पताही। पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पदमुकेर में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति सामने आई है। यहां तैनात सीएचओ सबिता कुमारी पर सरकारी नियमों की अनदेखी और ड्यूटी में लापरवाही का गंभीर आरोप लगा है। सरकारी निर्देश के अनुसार सेंटर का संचालन प्रतिदिन सुबह 9 बजे से अनिवार्य है, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सीएचओ के आने-जाने का कोई निश्चित समय नहीं है। कई बार सेंटर पूरी तरह बंद रहता है, जिससे मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है। ग्रामीणों की लगातार शिकायत के बाद जब बॉर्डर न्यूज मिरर की टीम मौके पर पहुंची, तो हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर ताला लटका मिला। इस दृश्य ने ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी हकीकत को उजागर कर दिया और संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। जानकारी के अनुसार, हाल ही में सीएचओ सबिता कुमारी ने जिला स्तर पर हो रही वीडियो कॉल मॉनिटरिंग को लेकर मानसिक दबाव का आरोप लगाते हुए एक पत्र भी लिखा था। हालांकि, मौके की स्थिति इससे अलग कहानी बयां कर रही है। वहीं, इस पूरे मामले पर डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ड्यूटी में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित सीएचओ के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बॉर्डर न्यूज़ मिरर में "ड्यूटी से नदारद सीएचओ, ताला बंद मिला हेल्थ सेंटर" शीर्षक से प्रकाशित खबर को गंभीरता से संज्ञान में लिया गया है। खबर में ग्रामीणों के हवाले से बताया गया था कि पताही प्रखंड के उक्त स्वास्थ्य केंद्र में तैनात सीएचओ के आने-जाने का कोई निर्धारित समय नहीं है, जिससे कई बार इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को बंद स्वास्थ्य केंद्र देखकर लौटना पड़ता है। ग्रामीणों की शिकायत थी कि स्वास्थ्य केंद्र अक्सर बंद रहने से गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और सामान्य मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने इसे स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही बताया था। खबर प्रकाशित होने के बाद जिला स्वास्थ्य समिति ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित सीएचओ को नोटिस जारी किया है। पत्र में निर्देश दिया गया है कि 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्ट और हस्ताक्षरित जवाब प्रस्तुत करें। साथ ही प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के माध्यम से दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने को कहा गया है। समिति ने अपने आदेश में साफ शब्दों में कहा है कि यदि तय समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संबंधित कर्मी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसमें सेवा शर्तों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शामिल हो सकती है। इस प्रशासनिक सख्ती के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज है कि बॉर्डर न्यूज़ मिरर की खबर ने स्वास्थ्य विभाग को नींद से जगा दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर इसी तरह खबरों पर त्वरित कार्रवाई होती रही, तो ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार संभव है। पताही प्रखंड में यह मामला अब स्वास्थ्य व्यवस्था की जवाबदेही का बड़ा मुद्दा बन गया है। लोगों की नजर अब इस बात पर टिकी है कि संबंधित सीएचओ का जवाब क्या आता है और विभाग आगे क्या कार्रवाई करता है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद हिदायतुल्लाह खान की 19वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला कांग्रेस मुख्यालय गांधी आश्रम, बंजरिया पंडाल में बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय मोहम्मद हिदायतुल्लाह खान की 19वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मंगलवार को मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने स्वर्गीय खान साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिदायतुल्लाह खान एक अत्यंत ईमानदार, समर्पित और दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सभी वर्गों और समुदायों को साथ लेकर चलने का आदर्श प्रस्तुत किया। उनके योगदान ने न केवल चम्पारण, बल्कि पूरे देश में एक सकारात्मक पहचान स्थापित की। इस अवसर पर पप्पू रंजन मिश्र, औसैदुर रहमान खान, किरण कुशवाहा, आबिद हुसैन, ब्रजेन्द्र तिवारी, डॉ. जियायुल हक, शमीम आलम सहित कई गणमान्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्वर्गीय खान साहब के आदर्शों पर चलने के संकल्प के साथ हुआ।

योग अपनाएं, निरोग जीवन पाएंः एसएसबी द्वारा योग शिविर का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 71वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी कैंप पीपराकोठी एवं सभी सीमा चौकियों पर कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के मार्गदर्शन में मंगलवार को योग शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 की 100 दिन की उलटी गिनती के तहत "स्वास्थ्य, ज्ञान और विश्व शांति के लिए योग" थीम पर आधारित था। आज के भागदौड़ भरे जीवन में बढ़ते मानसिक तनाव, शारीरिक रोग एवं असंतुलित दिनचर्या के बीच योग एक सरल, प्रभावी एवं प्राकृतिक उपाय के रूप में उभर रहा है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है, बल्कि मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर वास्तविक सुख एवं शांति प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार, सर्वांगासन, योगमुद्रासन, उदराकर्षन, स्वस्तिकासन, गोमुखासन, गोरक्षासन, ताड़ासन सहित कपालभाती एवं भ्रामरी जैसे प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, तनाव और अनिद्रा जैसी समस्याओं में राहत मिलती है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर उप कमांडेंट संतोष कुमार, सतीश कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट शिवांगिनी राय सहित अन्य अधिकारी, जवान, ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की ओर प्रेरित करना था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर रेड क्रॉस सोसाइटी का जागरूकता कार्यक्रम, रक्तदान व स्वच्छता पर दिया गया जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा पूर्वी चंपारण द्वारा एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यकारी अध्यक्ष -सह-अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) शैलेंद्र कुमार भारती ने किया। इस अवसर पर शहर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के संरक्षक सदस्य डॉ. आशुतोष शरण तथा सिसवा पंचायत की मुखिया तान्या प्रवीन को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य सचिव अमरेश कुमार, सदस्य अखिलेश कुमार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के डॉ. मनोज, सदर अस्पताल के डॉ. सौरभ गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. आशुतोष शरण ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल दिया तथा विभिन्न बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने संतुलित आहार और स्वच्छता को स्वास्थ्य का आधार बताते हुए लोगों को जागरूक किया।मुखिया तान्या प्रवीन ने अपने संबोधन में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखना चाहिए, तभी स्वस्थ समाज की परिकल्पना साकार हो सकती है। कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार भारती ने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता, जैसे भोजन से पहले हाथ धोना, बाथरूम के बाद हाथ-पैर की सफाई तथा बाहरी फास्ट फूड से परहेज, स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विशेष रूप से रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान न केवल एक महान मानव सेवा है, बल्कि यह कई जीवनों को बचाने का माध्यम भी है। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान करने और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संकल्प लिया। इस अवसर पर चिकित्सा पदाधिकारी अशोक कुमार, प्रधान सहायक रूपक वर्मा, लैब टेक्नीशियन रणजीत कुमार श्रीवास्तव सहित कई अन्य कर्मी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा भाव के संदेश के साथ हुआ, जिसमें सभी ने स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

हाई वोल्टेज तार की चपेट में आए युवक और बच्चा, हालत गंभीर

बीएनएम @ किशनगंज

किशनगंज । किशनगंज जिले के पौआखाली रेलवे परिसर में रील बनाने के जुनून ने एक युवक और एक बच्चे को मौत के करीब धकेल दिया। दिघलबैंक प्रखंड के ताराबाड़ी निवासी रंजीत कुमार रेलवे स्टेशन पर खड़े एक कोच के ऊपर चढ़कर मोबाइल से वीडियो बना रहे थे, तभी उनका संपर्क ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज बिजली के तार से हो गया। इस हादसे में रंजीत के साथ मौजूद बच्चा अली सबा भी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। करंट का झटका इतना तेज था कि दोनों बुरी तरह झुलसकर नीचे गिर पड़े, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।स्थानीय लोगों और रेलवे कर्मचारियों की मदद से घायलों को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल किशनगंज रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, युवक और बच्चा दोनों उपचाराधीन हैं और उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद रेलवे प्रशासन और स्थानीय पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने के लिए अपनी जान जोखिम में न डालें। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रेलवे के हाई टेंशन तारों में प्रवाहित हजारों वोल्ट का करंट बिना सीधे संपर्क के भी जानलेवा हो सकता है। अभिभावकों से भी आग्रह किया गया है कि वे बच्चों को ऐसे खतरनाक स्टंट से दूर रहने के लिए जागरूक करें।

भीषण गर्मी और चमकी बुखार को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, गया के सभी प्रखंडों में प्रशिक्षण शुरू

लू के लक्षणों को न करें नजरअंदाज, तुरंत नजदीकी केंद्र पर कराएं इलाजः सिविल सर्जन

बीएनएम @ गयाजी

गयाजी। गया जिले में भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है। हीट स्ट्रोक और चमकी बुखार के प्रभावी नियंत्रण व त्वरित उपचार के लिए सिविल सर्जन डॉ. राजाराम प्रसाद के निर्देश पर व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत जिले के सभी प्रखंडों में एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी सेविकाएं, शिक्षक और ग्रामीण चिकित्सकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। प्रशिक्षण के लिए तीन उच्च स्तरीय टीमें गठित की गई हैं, जिनमें जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. एमई हक, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. राजीव अंबष्ट और जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार के साथ यूनिसेफ, डब्लूएचओ और पीरामल स्वास्थ्य के प्रतिनिधि शामिल हैं।डीपीएम नीलेश कुमार के अनुसार, यह प्रशिक्षण अभियान 24 अप्रैल तक चलेगा। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को हीट स्ट्रोक और चमकी बुखार के लक्षणों, जैसे तेज बुखार, बेहोशी, पसीना न आना और शरीर में ऐंठन की गहन जानकारी दी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विशेष रूप से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और वृद्धों की सुरक्षा पर जोर दिया है। डॉ. एमई हक ने सलाह दी कि चमकी बुखार से बचाव के लिए बच्चों को रात में खाली पेट न सुलाएं और हीट स्ट्रोक की स्थिति में मरीज को तुरंत ठंडी जगह लिटाकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाएं। सरकारी अस्पतालों में कूलर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके। डुमरिया और खिजरसराय जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, जबकि अन्य प्रखंडों के लिए तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं।

जाहिंगरा विद्यालय में विद्यार्थियों को दी गई मिट्टी जांच की आधुनिक तकनीक की जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सर्वोदय +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाहिंगरा (पिपरा) में मंगलवार को छात्र-छात्राओं के लिए मिट्टी जांच की महत्वपूर्ण तकनीक पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हार्वेस्टो कंपनी के प्रतिनिधि संजीव सिंह ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान संजीव सिंह ने मिट्टी के नमूने (सैंपल) लेने की सही विधि, उसमें मौजूद 12 प्रमुख पोषक तत्वों की जांच प्रक्रिया तथा पानी की शुद्धता की जांच करने की तकनीक को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने बताया कि सही मिट्टी परीक्षण से फसल उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार संभव है।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता, वरीय शिक्षिका शोभा कुमारी, मीरा कुमारी, विज्ञान शिक्षक एवं लैब प्रभारी राजकिशोर सहित धनंजय कुमार रवि, चंदन चौधरी, अब्दुल समद, अनूप कुमार, कुंदन कुमार, नेहा कुमारी, शकील अहमद अंसारी, रेणु कुमारी एवं स्मिता समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में कृषि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित करने और उनकी रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से हार्वेस्टो कंपनी द्वारा पूसा मिट्टी जांच किट एवं पानी जांच की विशेष मशीन उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल से विद्यार्थियों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने में सहायता मिल रही है।

संक्षिप्त समाचार

जल जीवन हरियाली दिवस पर किसान गोष्ठी आयोजित

बीएनएम @ रजौली। जल जीवन हरियाली' दिवस के शुभ अवसर पर मंगलवार को प्रखंड कृषि कार्यालय स्थित सभागार में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार के नेतृत्व में एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य किसानों को जल संरक्षण और जलवायु अनुकूल खेती के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि अधिकारियों ने किसानों को कम पानी में बेहतर पैदावार लेने की तकनीक बताई। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि पर्यावरण संतुलन के लिए पानी बचाने के साथ-साथ अधिक से अधिक पौधारोपण करना अनिवार्य है। गोष्ठी में बताया गया कि यदि पानी की बचत करनी है, तो किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर मोटे अनाज (मिलेट्स) जैसे बाजरा, ज्वार, रागी (मडुआ), मक्का, कोदो, कुटकी और सांवा की खेती को प्राथमिकता देनी चाहिए। मोटे अनाज की यह विशेषता है कि इन्हें कम पानी और कम उपजाऊ भूमि में भी आसानी से उगाया जा सकता है। साथ ही, ये प्रोटीन, फाइबर और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं।इस अवसर पर बीडीओ संजीव कुमार झा, सीओ कृष्णकांत चौबे, प्रमुख प्रतिनिधि बबलू यादव और प्रखंड कृषि पदाधिकारी रौशन कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में बीसीओ राकेश कुमार, राजकमल भारती, आत्मा अध्यक्ष मनोज कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राजेश कुमार रंजन और अकाउंटेंट आनंद कुमार सहित भारी संख्या में प्रगतिशील किसान उपस्थित थे। अधिकारियों ने किसानों से जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए खेती के आधुनिक और किफायती तौर-तरीकों को अपनाने की अपील की।

पंच-सरपंच संघ की बैठक में ग्राम कचहरी के सुदृढ़ीकरण पर जोर

बीएनएम @ नारदीगंज(नवादा) पंच सरपंच संघ के प्रखंड इकाई नारदीगंज की बैठक मंगलवार को अनुसूचित टोला नारदीगंज स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित हुई। अध्यक्षता संघ के प्रखंड अध्यक्ष सरपंच प्रवेश रविदास ने किया। इस बैठक में सरपंच के अलावा न्याय सचिव,न्यायमित्र को ग्राम कचहरी के कार्यो व दायित्व के संचालन के बारें में विस्तार पूर्वक प्रखंड अध्यक्ष सरपंच प्रवेश रविदास ने जानकारी दी। उन्होंने कहा हर मंगलवार और शुक्रवार को ग्राम कचहरी में मुकदमे का सुनकर समझौता कराया जाता है। सभी न्याय सचिव प्रतिदिन ग्राम कचहरी में मौजूद रहेंगे। वही न्यायमित्र(वकील) प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को रहना आवश्यक है। गांव टोले के जमीनी विवाद, घरेलू विवाद,रुपये पैसे समेत अन्य छोटे छोटे विवाद को आपसी सहमति के साथ समझौता करने का प्रयास करेंगे। सीएम नीतीश कुमार ने 24 अक्टूबर 2024 को अत्याधुनिक न्याय प्रणाली की व्यवस्था का शुभारंभ प्रदेश के 38 जिलों में किया है। बिहार में ही सिर्फ आनलाइन पंजीकरण की सुविधा है। आप अपने मोबाइल या साइवर कैफे से आनलाइन व आफ़ लाइन मामला ग्राम कचहरी में दर्ज कर सकते हैं। ग्राम कचहरी में दर्ज हुए मामले को आप आनलाइन देख भी सकते हैं। मौके पर संघ के प्रखंड उपाध्यक्ष सरपंच नागेन्द्र कुमार सिन्हा, सरपंच डिंपू शर्मा,रिंकी देवी,मदन मोहन प्रसाद,सचिव नंदकिशोर राजवंशी,अंशु कुमार, मंजू कुमार,मनीष चौधरी, अविनाश कुमार,राधिका कुमारी, न्यायमित्र श्याम प्रसाद चौधरी समेत अन्य रहे।

निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली पर केंद्र सरकार को पत्र

बीएनएम @जमुई/झाझाः क्षेत्र की मां भवानी गैस एजेंसी द्वारा उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने और अवैध डिलीवरी चार्ज लेने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सूरज कुमार बरनवाल ने इस गंभीर समस्या को लेकर सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार को पत्र लिखकर त्वरित कार्यवाही की मांग की है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एजेंसी द्वारा पिछड़े और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं से गैस सिलेंडर की आपूर्ति के नाम पर अनुचित धन उगाही की जा रही है। एजेंसी कर्मी 500 मीटर से अधिक दूरी का हवाला देकर निर्धारित मूल्य से अतिरिक्त पैसे वसूल रहे हैं, जिसके वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसके अलावा, नियमों के विरुद्ध 40 से 50 तक का अवैध डिलीवरी शुल्क भी वसूला जा रहा है।सूरज कुमार बरनवाल ने बताया कि उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बुकिंग के बाद 1002 का कैश मेमो संदेश तो मिल जाता है, लेकिन कई दिनों तक डिलीवरी नहीं होती। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच, अवैध वसूली पर रोक और दोषी कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बिलासपुर से गायब किशोरी अकबरपुर से बरामद

बीएनएम @रजौली। रजौली थाना पुलिस ने कई महीनों से लापता एक किशोरी को बरामद करने में सफलता हासिल की है। सोमवार की रात पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अकबरपुर थाना क्षेत्र के पसियाकला गांव से अपहृता को बरामद किया।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रंजीत कुमार ने बताया कि वर्ष 2025 में बिलासपुर गांव निवासी कारू चौधरी की पुत्री गुड़िया कुमारी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई थी। इस संबंध में पीड़िता के पिता ने रजौली थाने में प्राथमिकी (कांड संख्या 552/25) दर्ज कराई थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसआई कृत्यकांत झा और महिला सिपाहियों की टीम ने सोमवार रात छापेमारी कर लड़की को बरामद कर लिया। मंगलवार को कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पुलिस ने युवती का बयान दर्ज कराने हेतु उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस अब मामले के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

आजादी के दशकों बाद भी पटरी लांघने को मजबूर ग्रामीण, अंडरपास के लिए डीआरएम को भेजा पत्र

जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार कर रहे 10 गांवों के ग्रामीण

» अंडरपास नहीं तो आंदोलन', रेल प्रशासन को दी चेतावनी

बीएनएम @ सिमुलतला (जमुई)

पोल संख्या 363 के पास सबवे बनाने के लिए लामबंद हुए ग्रामीण

सिमुलतला (जमुई)। झाझा-सिमुलतला रेलखंड के बीच रजला और झाझा के मध्य स्थित हेरना गांव के समीप रेलवे अंडरपास (सबवे) का न होना आज के समय में दर्जनों गांवों के हजारों लोगों के लिए एक बड़ी जानलेवा मुसीबत बन गया है। सुरक्षित रास्ता उपलब्ध न होने के कारण ग्रामीणों को प्रतिदिन अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है, जो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए क्षेत्रवासियों ने आसनसोल रेल मंडल के डीआरएम को विधिवत आवेदन भेजकर एक सुरक्षित अंडरपास के निर्माण की पुरजोर गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि हेरना के समीप रेलवे लाइन होने के कारण उनके गांव का संपर्क मुख्य अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों से पूरी तरह कटा हुआ है। सबसे बड़ी चुनौती आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर खड़ी होती है; गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती, जिससे गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं की जान पर बन आती है। स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भी लाचारी में हर दिन लोहे की पटरियां लांघनी पड़ती हैं। इस समस्या से मुख्य रूप से हेरना, बेलाटांड़, धीपलपहड़ी, नेगोडीह, आस्था, ताराकुरा, चौफलवा, बुढ़नेर, अमरपूरा और औरैया समेत करीब एक दर्जन गांवों की बड़ी आबादी बुरी तरह प्रभावित है। ग्रामीणों ने विशेष रूप से पोल संख्या 363/19-20 और 363/29-30 के पास अंडरपास निर्माण की मांग उठाई है। समाजसेवी विनोद यादव उर्फ 'फुटल कपार' के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण मंगलवार को ज्ञापन सौंपने सिमुलतला स्टेशन पहुंचे थे। वहां आरपीएफ पोस्ट पर तैनात एएसआई ने तो आवेदन स्वीकार कर लिया, लेकिन स्टेशन प्रबंधक ने इसे अपने क्षेत्राधिकार से बाहर बताकर लेने से साफ इनकार कर दिया। रेल प्रशासन के इस उदासीन रवैये के पश्चात ग्रामीणों ने डाक के माध्यम से डीआरएम को पत्र प्रेषित किया है। आवेदन पर सुरेश यादव, योगेंद्र यादव सहित 50 से अधिक ग्रामीणों के हस्ताक्षर मौजूद हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि रेल विभाग ने जल्द ही इस समस्या की सुध नहीं ली और निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया, तो वे चरणबद्ध तरीके से उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

पकरीबरावां को अनुमंडल बनाने के लिए संघर्ष का शंखनाद

» बाजार को जाम से दिलाएं मुक्ति, वरना होगा उग्र आंदोलन

बीएनएम @ पकरीबरावां

पकरीबरावां। प्रखंड मुख्यालय स्थित डाक बंगला परिसर में मंगलवार को जनचेतना सह विकास समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में पकरीबरावां को पूर्ण अनुमंडल का दर्जा दिलाने, जर्जर ट्रैफिक व्यवस्था और बिजली विभाग की मनमानी को लेकर निर्णायक आंदोलन की रणनीति तैयार की गई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश कुमार ने कहा कि पकरीबरावां क्षेत्र हर मानक पर अनुमंडल बनने की पात्रता रखता है, लेकिन वर्षों से इसकी उपेक्षा की जा रही है। सचिव महेंद्र प्रसाद शर्मा ने तीखे तेवर अपनाते हुए स्पष्ट किया कि जब तक अनुमंडल का दर्जा प्राप्त नहीं हो जाता, सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रहेगा।समिति ने पकरीबरावां बाजार की नारकीय ट्रैफिक व्यवस्था और भीषण जाम पर गहरी चिंता व्यक्त की। निर्णय लिया गया कि समाधान न होने पर प्रतिनिधिमंडल सीधे संबंधित मंत्री से मुलाकात करेगा। वहीं, बिजली विभाग के कनीय अभियंता (जेई) पर मनमानी का आरोप लगाते हुए सदस्यों ने चेतावनी दी कि यदि आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ, तो विभाग के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा।सकारात्मक पहल के तहत, समिति ने नवादा-पकरीबरावां-लक्ष्मीपुर नई रेल लाइन के सर्वे आवंटन के लिए नवादा सांसद विवेक ठाकुर, सांसद खीरु महतो और रेल मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। सदस्यों ने मांग की कि सर्वे कार्य को समय सीमा के भीतर पूरा कर निर्माण कार्य अविलंब शुरू कराया जाए।कार्यक्रम का कुशल संचालन राजेंद्र पासवान ने किया। बैठक में सक्रिय सदस्य के रूप में अवधेश पासवान, विश्वनाथ यादव, राजीव सिंह, प्रमोद यादव, रजी अहमद, मुन्ना खान, मुख्तार अंसारी, विजय सिंह, देवेंद्र कुमार, दिनेश यादव, सुखदेव पासवान, भरत पासवान, दिलीप कुमार रंजन, डिम्पल सिंह, परमेश्वर मंडल, धर्मेंद्र यादव, दामोदर यादव, सुदामा चौहान, सुनील कुमार, पप्पू सिंह, साधु यादव समेत दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में क्षेत्र की प्रगति के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

गैस वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, बैकलॉग वाली एजेंसियों पर कार्रवाई करें: डीएम

जमुई डीएम ने तेल व गैस कंपनियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

» डीएम ने अधिकारियों को दिया नियमित जांच का आदेश

बीएनएम @ जमुई

जमुई। जिले में रसोई गैस और ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी श्री नवीन ने मंगलवार को तेल व गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित इस बैठक के दौरान उन्होंने बीपीसीएल, आईओसीएल, एचपीसीएल और पीएनजी पाइपलाइन विस्तार से जुड़े अधिकारियों के साथ वर्तमान आपूर्ति श्रृंखला का गहन विश्लेषण किया। समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने उन गैस एजेंसियों के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाया, जहाँ अत्यधिक बैकलॉग के कारण उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी और जिला आपूर्ति पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसी एजेंसियों की कड़ी निगरानी की जाए और पूरी वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाया जाए।बैठक में डीएम ने आपूर्ति व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने पर जोर देते हुए कहा कि वितरण के रुझानों का सूक्ष्म विश्लेषण कर नियमित समीक्षा की जाए, ताकि आपूर्ति श्रृंखला सुगम बनी रहे। जिले में पीएनजी पाइपलाइन विस्तार की प्रगति पर चर्चा करते हुए उन्होंने अंतर-विभागीय समन्वय को अनिवार्य बताया। जमुई और सिकंदरा के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे पाइपलाइनों के रखरखाव के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ निरंतर संपर्क में रहें। निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए उन्होंने प्रखंड स्तर के सभी वरीय पदाधिकारियों को अपने क्षेत्रों की गैस एजेंसियों की नियमित जांच करने का आदेश दिया। बैठक के अंत में उन्होंने सख्त हिदायत दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि आम जनता को ईंधन प्राप्त करने में कोई असुविधा न हो।

टेंपो से विदेशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

बीएनएम @ खैरा (जमुई)

खैरा (जमुई)। गरही पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। मंगलवार, 7 अप्रैल 2026 को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 72 बोतल विदेशी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।थानाध्यक्ष विपिन चंद्र पाल्टा चौधरी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक टेंपो के माध्यम से शराब की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर दी। एक संदिग्ध टेंपो को जब रुकने का इशारा किया गया, तो चालक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर दो व्यक्तियों को दबोच लिया।तलाशी लेने पर टेंपो से कुल 54 लीटर (72 बोतल) विदेशी शराब बरामद हुई, जिसके बाद वाहन को भी जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जमुई जिले के हांसडीह निवासी मनीष कुमार (21 वर्ष) और धीरज कुमार (22 वर्ष) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जिले में शराब माफियाओं और तस्करों के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रहेगा और अवैध गतिविधियों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

ट्रांसफार्मर की चिंगारी से पुंज में लगी आग

» ग्रामीणों की तत्परता से बची गेहूं की फसल

बीएनएम @ मेसकौर

मेसकौर : मेसकौर प्रखंड की बिसिआईत पंचायत अंतर्गत पसाढ़ी गांव के टोला निमचक में मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहाँ बिजली के ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी के कारण पोवाल और नेवारी के पुंज में भीषण आग लग गई। चिलचिलाती धूप और हवा के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिससे किसान सुनील यादव और दयानंद यादव का पोवाल जलकर राख हो गया।ग्रामीणों ने बताया कि आग की लपटें तेजी से फैल रही थीं और पास में ही रखे गेहूं के तैयार बोझे उसकी जद में आने वाले थे। हालांकि, ग्रामीणों ने साहस और तत्परता का परिचय देते हुए तुरंत आसपास के बोरिंग व अन्य संसाधनों से पानी लाकर आग पर काबू पा लिया। ग्रामीणों की इस सक्रियता से करीब 100 से अधिक गेहूं के बोझे जलने से बच गए। घटना के बाद स्थानीय किसानों में बिजली विभाग के प्रति गहरा आक्रोश है। उन्होंने विभाग से जर्जर तारों और ट्रांसफार्मर की नियमित जांच करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

धुरगांव में आज सजेगा क्रिकेट का रोमांच

चतुर्थ रजौली पूर्वी कप टूर्नामेंट का आगाज

बीएनएम @ रजौली। रजौली पूर्वी पंचायत के धुरगांव खेल मैदान में आज, बुधवार दोपहर 3 बजे से 'चतुर्थ रजौली पूर्वी कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026' का भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता के आयोजक सह स्थानीय मुखिया संजय यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है।मुखिया संजय यादव ने क्षेत्र के खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मैदान पहुँचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और क्रिकेट का आनंद लें। उन्होंने कहा कि पंचायत में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है और उनमें अनुशासन व टीम भावना का विकास होता है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों ने मुखिया संजय यादव के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें मिलनसार और विकासोन्मुख व्यक्तित्व बताया। ग्रामीणों का कहना है कि वे न केवल खेल बल्कि पंचायत की हर समस्या के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आयोजन को लेकर युवाओं और बच्चों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

दबंगों ने शिक्षक के बेटे को पीटा, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ जमुई/झाझाः थानाक्षेत्र के नौवाकुरा गांव निवासी शिक्षक सुनील कुमार यादव ने अपने पुत्र के साथ मारपीट, गले से सोने की चेन छीनने और अपहरण के प्रयास का आरोप लगाते हुए आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है।दर्ज आवेदन के अनुसार, शिक्षक का पुत्र श्याम कृष्णा जब धमना बहियार की ओर अपना खेत घूमने गया था, तभी धमना निवासी कामदेव यादव, पिंटू यादव, प्रकाश यादव, गुरसाहि यादव सहित दो-तीन अन्य लोगों ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट की और उसे जबरन धमना आहार की ओर ले जाने लगे। शोर मचाने पर पास के खेतों में गेहूं काट रहे लोग मदद के लिए दौड़े, जिन्हें देखकर आरोपी भाग निकले। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने युवक के गले से सोने की चेन भी छीन ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्लस टू श्री कृष्ण विद्यालय में परीक्षा परिणाम घोषित

» मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

बीएनएम @ सिकंदरा(जमुई)

सिकंदरा(जमुई)। प्लस टू श्री कृष्ण विद्यालय के प्रांगण में कक्षा नवम एवं ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम (2026) समारोहपूर्वक घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को उनके अंक पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान अपने-अपने खंडों में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मोमेंटो प्रदान कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।कक्षा नवम के खंड 'ए' में करिश्मा, शक्ति और मुस्कान ने बाजी मारी। खंड 'बी' में प्रिंस, सोनाली और जयकांत, खंड 'सी' में अभिषेक, अंकित और रोहित, खंड 'डी' में हर्ष, शिवम और अंकित तथा खंड 'ई' में अभिषेक कुमार ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं, ग्यारहवीं कला संकाय में कृति कुमारी और विज्ञान संकाय में आशीष, नितिश और अभिषेक कुमार को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पुरस्कृत किया गया।इस शैक्षणिक उत्सव में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रूपम कुमारी, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य कृष्ण कुमार चंद्रवंशी और प्रभारी प्राचार्य विमल जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक वरुण कुमार, अशोक कुमार, राघवेंद्र कुमार, नवल कुमार, मोहम्मद दानिश मसरूर, सत्येंद्र सुमन, मोहम्मद मिराज सहित विद्यालय के सभी शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हंगामा और कोरम के अभाव में पंचायत समिति की बैठक स्थगित

» प्रमुख पर योजना वितरण में भेदभाव का आरोप

बीएनएम @ नारदीगंज

नारदीगंजः प्रखंड मुख्यालय स्थित उजला भवन में मंगलवार को आयोजित पंचायत समिति की बैठक भारी हंगामे और कोरम की कमी के कारण बिना किसी निर्णय के स्थगित हो गई। बैठक शुरू होने से पहले ही राशि आवंटन और योजनाओं के चयन को लेकर पंचायत समिति सदस्य (भाग-2) सुदामा सिंह उर्फ मनोज कुमार सिंह और प्रमुख पति दिनेश कुमार अकेला के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। अधिकारियों और अन्य सदस्यों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत तो हुआ, लेकिन आपसी मतभेद बैठक पर भारी पड़े।निर्धारित समय दोपहर 1 बजे के बजाय 2 बजे तक भी उप प्रमुख अमित कुमार समेत अधिकांश सदस्य बैठक में नहीं पहुंचे। 15 सदस्यों वाली इस समिति में कोरम पूरा न होने के कारण अंततः बैठक स्थगित कर दी गई। इस दौरान प्रमुख शोभा भारती, बीडीओ सोनिया ढनढननिया और मुखिया शशिभूषण कुमार उर्फ वेणु यादव सहित कुछ ही जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।इधर, उप प्रमुख अमित कुमार ने प्रखंड प्रमुख पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि योजनाओं के वितरण में भारी अनियमितता और राशि का बंदरबांट किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रमुख ने केवल अपने चहेते सदस्यों को लाभ पहुँचाया है, जबकि अधिकांश को वंचित रखा गया है। साथ ही, वित्तीय वर्ष की बैठक 7 अप्रैल को रखे जाने पर भी सवाल उठाए गए। दूसरी ओर, प्रखंड प्रमुख शोभा भारती ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि योजनाओं का आवंटन नियमानुसार और समान रूप से किया गया है, जिसका पूरा विवरण पंजी में दर्ज है। बीडीओ ने कोरम के अभाव को बैठक स्थगित होने का मुख्य कारण बताया।

पुलिस ने ई-रिक्शा और बर्तन किए जब्त, चालक हिरासत में

बीएनएम @जमुई/झाझा : झाझा रेलवे कॉलोनी स्थित एक बंद रेलवे आवास में सोमवार की रात करीब 9 बजे चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। हालांकि, स्थानीय लोगों की तत्परता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से चोरी का सामान बरामद कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस ने एक ई-रिक्शा को जब्त करते हुए उसके चालक को हिरासत में लिया है।घटना रेलवे मिडिल स्कूल के समीप स्थित आवास की है, जहाँ एक शिक्षक सुमित कुमार निवास करते हैं। शिक्षक अपने परिवार के साथ श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए नाथनगर गए हुए थे। आवास को बंद पाकर तीन चोरों ने ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और कीमती सामान समेट लिया। चोर चोरी किए गए बर्तनों को एक ई-रिक्शा पर लादकर ले जाने की फिराक में थे, तभी पड़ोसियों को संदेह हुआ और उन्होंने तत्काल डायल 112 को सूचना दे दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर तीनों मुख्य चोर भागने में सफल रहे। पुलिस ने ई-रिक्शा चालक विवेक कुमार (निवासी पिपराडीह) को हिरासत में लेकर सामान लदे वाहन को जब्त कर लिया। मंगलवार को पीड़ित शिक्षक ने थाने में आवेदन देकर बताया कि बर्तनों के अलावा गैस सिलेंडर, इंडक्शन चूल्हा, टीवी, सेट-टॉप बॉक्स और अलमारी में रखे 6500 नकद सहित अन्य सामग्री चोरी हुई है। पकड़े गए चालक का दावा है कि उसे सामान पहुँचाने के बहाने ले जाया गया था। थानाध्यक्ष एलबी सिंह ने बताया कि एक चोर की पहचान कॉलोनी के ही शिवा के रूप में हुई है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

सोशल मीडिया की लत

युवा या किसी उम्र वर्ग के व्यक्ति को सोशल मीडिया की लत क्यों लगती है? कुछ अध्ययनों के मुताबिक युवा अपने खालीपन की भरपाई सोशल मीडिया से करते हैं, जहां अल्पकालिक उत्तेजना और निरर्थक सूचना देने वाले स्रोतों की भी भरमार है। भारत सहित तमाम देशों में सोशल मीडिया युवाओं के बीच खुशी घटा रहा है। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट- 2026 के अनुसार कुल मिलाकर युवाओं की खुशी पर सोशल मीडिया का असर नकारात्मक है। बहरहाल, उभरे रुझानों के लिए महज सोशल मीडिया को दोष देना शायद ठीक ना हो। खुद इसी रिपोर्ट के मुताबिक जो युवा सोशल मीडिया का रोजाना एक घंटे से कम इस्तेमाल करते हैं, वे इससे खुशी और संतुष्टि प्राप्त करते हैं। संभवतः इसलिए कि इस दौरान वे अपने दोस्त- रिश्तेदारों से संपर्क करते हैं और अपने लिए जरूरी सूचनाएं या मनोरंजन हासिल कर लेते हैं। उसके बाद वास्तविक समाज या इनसानी दायरे से जुड़ने के लिए उनके पास पर्याप्त समय रहता है, जहां उन्हें बेहतर अहसास हासिल होता है। तो प्रश्न है कि आखिर युवा या किसी उम्र वर्ग के व्यक्ति को सोशल मीडिया की लत क्यों लगती है? क्या यह परिवार में बढ़ते एकाकीपन एवं समाज में घटती सामूहिकता का परिणाम है? कुछ अध्ययनों के मुताबिक उपरोक्त कारणों से युवा खालीपन का शिकार होते हैं, जिसकी भरपाई वे सोशल मीडिया से करते हैं, जहां अल्पकालिक उत्तेजना, क्षणिक मनोरंजन, और निरर्थक सूचना देने वाले स्रोतों की भी भरमार है। हैप्पीनेस रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि युवाओं के सोशल मीडिया उपयोग पर नियंत्रण की दिशा में नीति-निर्माताओं को कदम उठाने चाहिए। दरअसल, हाल में कई देशों और भारत के कुछ राज्यों में ऐसे कदम उठाए भी गए हैं। मगर उनकी सफलता संदिग्ध है, क्योंकि बच्चों और युवाओं के सामने समय के बेहतर और आनंददायक उपयोग का विकल्प दिए बिना जबरन सोशल मीडिया से उन्हें अलग करना अलग तरह की मुश्किलों को जन्म दे सकता है। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट विभिन्न देशों के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, सामाजिक सहायता प्रणालियों की उपलब्धता, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, जीवन संबंधी फैसले लेने की स्वतंत्रता की स्थिति, समाज में उदारता अथवा दानशीलता की भावना, और भ्रष्टाचार के संबंध में जन-धारणा की कसौटियों पर तैयारी की जाती है। अगर इन बिंदुओं पर समाज में अपेक्षित प्रगति हो, तो संभव है कि फिर सोशल मीडिया की लत की समस्या से भी समाज बचा रह सकेगा।

अपराधियों को सुधारने का प्रयास किया जाए

संजय गोस्वामी

यह एक निर्विवाद और सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत तथ्य है कि अपराध से कानून की अवहेलना होती है और अपराध में वृद्धि होती है। अपराध क्या है? इसकी व्याख्या और परिभाषा के संबंध में कोई एकल, सार्वभौमिक परिभाषा विकसित नहीं की गई है। आज जो अपराध है वह कल बदलती सामाजिक परिस्थितियों में अपराध नहीं रह सकता है और जो आज अपराध नहीं है वह कल अपराध का मानक बन सकता है। इसलिए, अपराध की सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा तैयार करना न केवल कठिन है, बल्कि असंभव भी है। दूसरा, सामाजिक जीवन के बड़े संदर्भ की परवाह किए बिना, तब तक अपराध नहीं माना जाता जब तक कि वह क्रिमिनल लॉ द्वारा प्रतिबंधित न हो। डोनाल्ड आर. टैफ्ट के शब्दों में, अपराध कानून द्वारा दंडनीय काम है। गिलिन और गिलिन केअनुसार, कानूनी नजरिए से, अपराधकिसी देश के कानून के खिलाफ किया गया काम है। इस प्रकार, ऊपर दी गई सभी परिभाषाओं का विश्लेषण करने पर, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अपराध जानबूझकर किया गया व्यवहार है। अपराधी परिवारों के पुरुष और महिलाएं अलग-अलग तरह के अपराध करते हैं। पारंपरिक अपराधों और आधुनिक अपराधों में उनके शामिल होने का मकसद क्या है? पहले की गरिमा और औचित्य से समझौता किए बिना यह कहना सही होगा। वैज्ञानिक नजरिए से, अपराध कानून का उल्लंघन है। यह वह व्यवहार है जो क्रिमिनल कोड में प्रतिबंधित और दंडनीय है। एनालिटिकल स्टडी की सुविधा के लिए, अपराध की दूसरी वैज्ञानिक परिभाषाओं का इस्तेमाल किया गया, जो अपराधी परिवारों से मिले डेटा की मदद से निष्कर्ष पर पहुंचीं। 53.01 प्रतिशत अपराधियों ने अपराध करना स्वीकार किया, और 46.99 प्रतिशत ने कहा कि पुलिस ने अपनी कार्रवाई पूरी करने के लिए बेवजह झूठे और मनगढ़ंत मामले दर्ज किए। 1. गरीबी रेखा से नीचे के परिवार अक्सर किसी न किसी तरह के क्राइम में शामिल होते हैं, जिसे लगभग 53 प्रतिशत जवाब देने वालों ने माना। 2. कुछ मामलों में, इन परिवारों के पुरुष और महिलाएं, खासकर पुरुष, जबरदस्ती क्रिमिनल बना दिए जाते हैं, जिसमें पुलिस अहम भूमिका निभाती है, अपनी ऑफिशियल ड्यूटी पूरी करती है। 3. क्रिमिनल परिवारों के पुरुष अक्सर शराब पीते हैं, और इस नशे में, वे सही और गलत की समझ खो देते हैं, क्राइम की ओर बढ़ते हैं, और अपना मेंटल बैलेंस खो देते हैं। वे यह समझ नहीं पाते कि वे क्या कर रहे हैं या यह सही है या नहीं, और क्राइम में शामिल हो जाते हैं। 4. उनमें सेल्फ-कॉन्फिडेंस की कमी होती है। उनके क्राइम के कारणः क्राइम एक यूनिवर्सल घटना है जो सीधे इंसानी व्यवहार से जुड़ी है। इस इंसानी व्यवहार के क्या कारण हैं? दूसरे शब्दों में, क्राइम के क्या कारण हैं? वर्ट क्राइम के कारणों की एक लंबी लिस्ट पेश करते हैं, जो असल में, पूरी तरह से सही है। अपर्याप्त मनोरंजन सुविधाएं, दोषपूर्ण परिसर, शारीरिक हीनता, भावनात्मक असंतुलन, अस्थायी पागलपन, शिक्षा की कमी, व्यक्तिवादी अराजकता, सामाजिक अपूर्णता, अवैध धन-संपत्ति कमाना, शराबखोरी आदि। अपराधों में शामिल होने के सिद्धांत और कारण - सामान्य रूप से, कुछ परिस्थितियां और कारण आपराधिक प्रवृत्तियों को जागृत करने, प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। 1. अपराध सामान्यतः मानवीय व्यवहार से संबंधित होता है। ऐसा माना जाता है कि परिवार के सदस्य अपराधों में शामिल होते हैं, लेकिन सभी मानवीय व्यवहार अपराध से प्रभावित होते हैं। अपराध हमेशा विनाशकारी होता है, यह सामान्यता की श्रेणी में नहीं आता है और इसे करने का कारण चाहे जो भी हो, समाज द्वारा अस्वीकार्य है। स्पष्ट रूप से, अपराध का बढ़ता प्रचलन व्यक्ति, समुदाय और समाज के लिए हानिकारक है। विभिन्न विद्वानों ने अपराधियों को कई आधारों पर विभाजित किया है, जैसे लोम्ब्रोसो ने जन्मजात अपराधी, पागल अपराधी, यौन अपराधी और आकस्मिक अपराधी सदरलैंड ने निचले तबके को आम क्रिमिनल और व्हाइट-कॉलर क्रिमिनल में बांटा है। इसी तरह, अलग-अलग जानकारों ने क्रिमिनल को अलग-अलग कैटेगरी में बांटा है। क्रिमिनल परिवारों के मर्द और औरतों को इंसान माना जाता है क्योंकि क्राइम नॉर्मल बिहेवियर पैटर्न के खिलाफ काम है। 2. इरादे और बिहेवियर के बीच एक कनेक्शन होता है, लेकिन क्राइम होने के लिए यह जरूरी है कि क्रिमिनल इरादा बाहर से ज़ाहिर हो। 3. क्राइम से पर्सनल टूटता है। इस बारे में, क्रिमिनोलॉजिस्ट ओटो रांके कहते हैं कि टूटी हुई पर्सनैलिटी क्राइम की वजह है। प्रोफेसर मार्क्स और एंगेल्स कहते हैं कि हालात क्राइम के लिए ज़मीन तैयार करते हैं और क्राइम इकोनॉमिक कंडीशन का नतीजा है। परिस्थितियाँ एवं परिस्थितियाँ, जो समाज की देन हैं। अतः अपराध को भी समाज की देन मानकर स्वीकार करना चाहिए। अपराध का मुख्य कारण वातावरण है। इसके अन्तर्गत धन का अभाव होता है। व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आश्रित प्रभावित होते हैं तथा उजड़े हुए मकान, गंदी बस्तियाँ, बुरी संगत, अस्वस्थ मनोरंजन, निर्धनता, पारिवारिक वातावरण, अशांत उपसंस्कृतियाँ, गंदी बस्तियाँ, छात्रावास एवं कॉलेज की संस्कृति, जुनून आदि तथा समकक्ष समूह की भूमिका आदि के कारण समाज प्रभावित होता है। अपराध करने के अन्य कारणः 1. अज्ञानता-कुछ लोगों में यह गलत धारणा है कि वे सब जानते हैं कि अपराध एक सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक बुराई है जिसके कारण हत्याएँ होती हैं, मकान बिक जाते हैं, दिवालिया हो जाते हैं, लोग अपराधी बन जाते हैं, शादियाँ बर्बाद हो जाती हैं, हत्याएँ होती हैं, आत्महत्याएँ होती हैं तथा दुःख एवं निर्धनता भी बढ़ती है। जुआ, वेश्यावृत्ति, बलात्कार, अपहरण, चोरी, डकैती, मारपीट आदि भी अपराध के परिणाम हैं। चरित्र पतन, भ्रष्टाचार, कानून की अवहेलना भी इसके दुष्परिणाम हैं। व्यक्तिगत टूटन, पार्लर टूटन तथा सामाजिक टूटन भी इसी के कारण होती है। अपराध करने पर बीमारियां, अभाव, गरीबी और बेरोजगारी पनपती है। अतः अपराध गुलामी का सूचक है। जिसके कारण वे अपने परिवार की भी परवाह नहीं करते और एक के बाद एक अपराध करते रहते हैं। 2. तनाव, पारिवारिक क्लेश और निराशा - जब परिवार में पैसे की कमी के कारण बीमारी और दैनिक जरूरतें पूरी नहीं होती हैं, तो मानसिक और पारिवारिक परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इससे तनाव पैदा होता है और व्यक्ति अपराध की ओर मुड़ जाता है। 3. संगति और मित्र मंडली - अपने सगे-संबंधियों और दोस्तों के साथ भी अनेक अपराध करने से व्यक्ति को अपने जीवन में निम्नलिखित सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति के ये दोष हैं - 1. इससे कानून की अवहेलना और व्यभिचार बढ़ता है। 2. इसका प्रभाव व्यक्ति के परिवार पर पड़ता है। 3. इसका असर मनुष्य के मन पर पड़ता है और उसमें भय फैल जाता है। 4. बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। डर के कारण उनका बाहर निकलना या बैठना दूभर हो जाता है। यदि पड़ोसी या जिसकी संगति में रहने वाला व्यक्ति अपराधी है तो उसके आग्रह व बहकावे में आकर वह भी अपराध करना सीख जाता है। पहले वह छोटे-मोटे अपराध करने लगता है और फिर बड़े अपराध करने लगता है। 4. ऊँचा पद प्राप्त करना – वर्तमान समाज भौतिकवादी दौड़ का अनुसरण कर आधुनिक बनना चाहता है और इस आधुनिक युग में ऊँचा पद प्राप्त करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। इस युग में व्यक्ति दो वक्त की रोटी कमाने के अलावा ईमानदारी से सम्मान का जीवन नहीं जी सकता है। इसलिए ऊँचा पद प्राप्त करने के लिए लोग दूसरे अवैध धंधे करने लगते हैं और अधिक धन कमाने की लालसा अपराध को जन्म देती है। स्पष्ट है कि अपराध से व्यक्ति का सामाजिक व आर्थिक विघटन होता है। अपराध से उसका परिवार और समाज बिखर जाता है। आर्थिक पतन होता है। उसका सांस्कृतिक व नैतिक पतन होता है। अतः आवश्यक है कि अपराध के विरुद्ध आवाज उठाई जाए और अपराधियों को सुधारने का प्रयास किया जाए।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

असेंबली का वह धमाका और आज की बहरी व्यवस्था

दिलीप कुमार पाठक

(विशेष लेख - 8 अप्रैलः ऐतिहासिक धमाका और आज की लोकतांत्रिक चुनौतियां)

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें केवल घटनाओं का ब्यौरा नहीं, बल्कि एक गहरे सवाल की तरह दर्ज होती हैं। आज ही के दिन वर्ष 1929 की वह सुबह, जब भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम के साथ पर्चे फेंके थे, तो उनका उद्देश्य हिंसा नहीं बल्कि एक मूक और बहरी सत्ता को लोक-हित की आवाज़ सुनाना था। आज दशकों बाद जब हम अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं के बदलते स्वरूप को देखते हैं, तो एक टीस उठती है कि क्या व्यवस्था की सुनने की क्षमता समय के साथ फिर से कम हो गई है? वह धमाका बहरों को जगाने के लिए था, लेकिन आज की राजनीति के शोर में एक आम नागरिक की संयमित और तर्कपूर्ण आवाज़ कहीं खोती नज़र आती है। लोकतंत्र की बुनियाद उसकी संस्थाओं की निष्पक्षता और उनकी स्वायत्तता पर टिकी होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर जनता के बीच संशय उत्पन्न होने लगे, तो यह किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। एक निष्पक्ष निर्णायक की भूमिका तब संदिग्ध लगने लगती है जब उसके निर्णय एकपक्षीय झुकाव का संकेत देने लगें। क्या हमारी संस्थाएं आज भी उसी संप्रभुता के साथ कार्य कर रही हैं जिसका संकल्प हमारे संविधान निर्माताओं ने लिया था? जब रसूखदारों के लिए नियमों की व्याख्या लचीली हो और एक साधारण नागरिक के लिए प्रक्रियाएं अवरोध बन जाएं, तो यह विसंगति व्यवस्था की साख पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

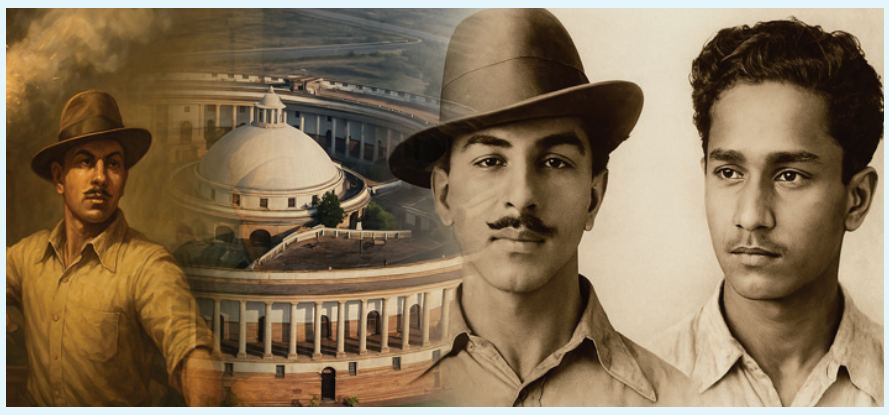

प्रशासनिक त्रुटियों या इरादतन चूकों का उदाहरण देखना हो तो पश्चिम बंगाल के उस सेवानिवृत्त न्यायाधीश का मामला दृष्टव्य है, जिनका नाम पर्याप्त दस्तावेजों के बावजूद मतदाता सूची से विलुप्त कर दिया गया। यदि न्याय की रक्षा करने वाले एक पूर्व जज को अपने लोकतांत्रिक अधिकार की पहचान के लिए संघर्ष करना पड़े, तो एक सामान्य नागरिक की विवशता का अंदाज़ा सहज ही लगाया जा सकता है। क्या यह महज़ एक तकनीकी चूक है या किसी विशेष प्रक्रिया का हिस्सा? जब मैदान के रक्षक ही किसी एक पक्ष के प्रति उदार होने लगें, तो खेल की शुचिता का बना रहना कठिन हो जाता है। पारदर्शिता विज्ञापनों का विषय नहीं, बल्कि धरातल पर महसूस की जाने वाली सच्चाई होनी चाहिए। आज के डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के समक्ष नई और जटिल चुनौतियां उभरकर आई हैं। सत्ता की आलोचना करने वाले सोशल मीडिया हैंडल्स को तकनीकी नियमों की आड़ में प्रतिबंधित करना, संवाद की उस स्वस्थ परंपरा के विपरीत है जिसने हमारे लोकतंत्र को सींचा है। संवाद के रास्ते बंद करना उसी बहरेपन की पुनरावृत्ति है जिसे तोड़ने के लिए कभी क्रांतिकारी युवाओं ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था। लोकतंत्र में असहमति को शत्रुता का पर्याय मान लेना एक बड़ी भूल है; इसे तो सुधार के एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। जब सत्ता आलोचना को सुनने का धैर्य खोने लगती है, तो यह शासन तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता की ओर संकेत करता है।

सामाजिक संवेदनहीनता का यह बढ़ता प्रभाव हमारे सामूहिक ताने-बाने के लिए घातक है। रसूखदारों के लिए व्यवस्था के द्वार सदैव सुलभ हैं, परंतु एक लाचार नागरिक के लिए आज भी सरकारी तंत्र की जटिलताओं को पार करना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। जिस सदन में कभी जन-सरोकारों की गूँज होती थी, आज वहाँ बुनियादी मुद्दे अक्सर राजनीतिक विमर्श और चुनावी जुमलों के शोर में दब जाते हैं। जब हम नागरिक अधिकारों और संस्थागत जवाबदेही के बीच बढ़ती इस खाई को देखते हैं, तो महसूस होता है कि भौतिक विकास की दौड़ में मानवीय और लोकतांत्रिक मूल्य कहीं पीछे छूट रहे हैं।

आज यही सीख लेने की आवश्यकता है कि लोकतंत्र केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि निरंतर निभाई जाने वाली एक ज़िम्मेदारी है। उन क्रांतिकारियों का त्याग एक ऐसे न्यायपूर्ण भारत की कल्पना था जहाँ हर नागरिक का आत्मसम्मान एवं अधिकार सुरक्षित हों और उसकी आवाज़ को सुना जाए। आज जब हमारी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं, तब उस ऐतिहासिक घटना को एक सबक की तरह लेने की आवश्यकता है।

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, यह संस्थाओं की गरिमा और नागरिक अधिकारों की निर्बाध सुरक्षा का नाम भी है। व्यवस्था के प्रति सच्ची निष्ठा तभी सिद्ध होगी जब सवाल पूछने की स्वतंत्रता और जवाब देने की ईमानदारी, दोनों ही हमारे लोकतंत्र की अनिवार्य पहचान बनी रहें। (लेखक पत्रकार हैं)

नेतन्याहू का ग्रेटर इजराइल का सपना, सारी दुनिया पर पड़ा भारी

सनत जैन

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया है। इस हमले की सबसे बड़ी वजह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की ग्रेटर इजरायल की सनक और सत्ता में बने रहने का एक औजार है। जिसने सारी दुनिया के लिए संकट पैदा कर दिया है। नेतन्याहू इजरायल के पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री बने। उसके पहले सत्ता में आने के लिए और सत्ता में बने रहने के लिए उन्होंने ग्रेटर इजरायल का सपना इजरायल के लोगों को दिखाया। इजरायली संप्रभुता का विस्तार करने लेबनान, फिलिस्तीन, सीरिया, जॉर्डन, इराक, मिश्र और सऊदी अरब तक विस्तार करके ग्रेटर इजरायल के रूप में विस्तार करने के लिए वह सत्ता का उपयोग कर लोगों की धार्मिक भावनाएं भड़काकर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने 1996 से लेकर 2026 तक पूरी दुनिया को एक तरह से खतरे में डालकर रखा है। इस काम में अमेरिका उनके साथ है। अमेरिका और इजरायल ने मिलकर जो ताना-बाना बुना था, वह अब तार-तार हो रहा है। नेतन्याहू ने सत्ता में बने रहने और दक्षिणपंथी समूहों को एकजुट करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया। जॉर्डन, इराक, सऊदी में जरूर प्रत्यक्ष तरीके से इजरायल ने हस्तक्षेप नहीं किया लेकिन इन देशों में अमेरिका और इजरायल का प्रभाव बढ़े इसके लिए लगातार दो दशक से काम कर रहे हैं। अमेरिका की मदद से विस्तारवादी इस कार्यक्रम में नेतन्याहू ने 12 अगस्त 2025 को एक साक्षात्कार में यह भी कह दिया कि वह एक आध्यात्मिक और ऐतिहासिक मिशन पर काम कर रहे हैं। ग्रेटर इजराइल को बनाने में उनकी भूमिका अति महत्वपूर्ण है। उनकी इस घोषणा की उस समय मुस्लिम देशों ने कड़ी निंदा की थी। अमेरिका और इजरायल मिलकर लेबनान की सीमा पर लगातार हमले कर रहे हैं। फिलीस्तीन को एक तरह से खत्म कर दिया। ईरान के साथ लगातार विवाद पैदा करते हुए ईरान को कमजोर करने का प्रयास इजरायल के प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है। जिसके कारण खाड़ी के देशों में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। बेंजामिन नेतन्याहू का सपना है, वह समुद्र और जॉर्डन नदी के बीच केवल इजरायली संप्रभुता होगी। इसको सफल करने के लिए वो लगातार प्रयास कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने पर उन्हें

इस काम में अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के विरोध के बाद भी अमेरिका से जो सहयोग मिल रहा था उसने उनकी महत्वाकांक्षा को और भी बढ़ा दिया। जिसका परिणाम ईरान के साथ प्रत्यक्ष युद्ध के रूप में सामने आया है। पिछले कई दशकों से अमेरिका ईरान पर समय-समय पर प्रतिबंध लगाता रहा है। प्रतिबंध के कारण ईरान की आवाम को लगातार आर्थिक संकटों से गुजरना पड़ रहा है। इसके बाद भी ईरान ने कभी युद्ध करने की बात नहीं सोची। उसने हमेशा विकल्प तलाशा। शायद अमेरिका और इजरायल ने इसे ईरान की कमजोरी माना और वहां पर सत्ता पलटने की कोशिश की। उनके आंतरिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। अमेरिका ने जो इराक के रासायनिक हथियार बनाने का आरोप लगाकर उसे बर्बाद किया था वही नीति अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर लागू करने की कोशिश की। यह कोशिश अमेरिका और इजरायल के लिए इतनी भारी पड़ेगी यह दोनों ने सोचा नहीं था। ग्रेटर इजराइल का सपना उन्हें इस तरह ले डूबेगा इसकी कल्पना डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू ने नहीं की थी। धर्म पर आधारित राजनीति कुछ समय तक तो जनता को भावात्मक रूप से जोड़कर रखती है लेकिन जब जनता को कष्ट होने लगता है तो यही भावात्मक लगाव बगावत का कारण बन जाता है। आज पूरी दुनिया में जिस तरह से महंगाई बेरोजगारी आर्थिक मंदी और खाद्य संकट से मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग जूझ रहा है रही सही कसर आदमी को अपने अस्तित्व को बनाए रखने की हो गई है। कर्ज के बोझ में दबकर और परिवार का खर्च नहीं चल पाने की स्थिति में परिवार का मुखिया सामूहिक आत्महत्या जैसे कदम उठाने लगा है। आज दुनिया के कई देशों में आत्महत्या के प्रकरण दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। दक्षिणपंथी विचारधारा भारत में भी पिछले दो दशक से बड़ी तेजी के साथ फल फूल रही है। अखंड भारत का सपना भारत के एक सांस्कृतिक संगठन एवं राजनीतिक दल द्वारा दिखाया जा रहा है। पिछले 12 वर्षों में यह विचारधारा बड़ी तेजी के साथ भारत में फल फूल रही है, लेकिन जिस तरह की महंगाई, बेरोजगारी और कर्ज का बोझ आम आदमी के सिर चढ़कर बोल रहा है, भारत में भी आत्महत्या और सामूहिक आत्महत्या के हजारों मामले हर राज्य में सामने आ चुके हैं। इसके बाद भी सरकार की जो संवेदनशीलता गरीब और मध्यम वर्ग के साथ होनी चाहिए वह देखने को नहीं मिल रही है। भारत में पूंजीवाद बड़ी तेजी के साथ फल-फूल रहा है। ऐसी स्थिति में जब लोग अपना जीवन-यापन भी नहीं कर पाएंगे ऐसी स्थिति में बगावत उत्पन्न होती है। यही बगावत श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में देखने को मिली। कुछ समय तक लोगों को किसी विचारधारा से भरमाया जा सकता है, लेकिन मनुष्य जीवन में जो मौलिक आवश्यकता है यदि वह पूरी नहीं होती हैं तो इसी तरह का विरोध बनता है।

यह अब इजरायल में भी होते हुए दिख रहा है। इजरायल की जनता सड़कों पर आकर पहले भी विरोध कर चुकी है और अब जिस तरीके से वह जीवन और मृत्यु के बीच में झूल रही है उसके बाद इजरायल में नेतन्याहु का विरोध इजरायल में शुरू हो गया है। कुछ इसी तरह का विरोध अमेरिका में देखने को मिल रहा है। जहां पर सभी राज्यों के लाखों लोग सड़कों पर आकर ट्रंप की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं जिस तरह की स्थितियां ईरान युद्ध के बाद बनती हुई दिख रही हैं, यह अच्छा संकेत नहीं दे रही है। आर्थिक विशेषज्ञ लगातार आर्थिक मंदी की चेतावनी दे रहे हैं। सभी देशों और उनके नागरिकों पर कर्ज का भारी बोझ है। बाजारबाद और पूंजीवादी व्यवस्था के एकाधिकार के कारण दुनिया के सारे देशों में सत्ता के खिलाफ बगावत देखने को मिल रही है। भारत सरकार को भी इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। गैस सिलेंडर खाद्यान्न पेट्रोल डीजल आज आम आदमियों की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आप जिस भी काम को करना चाहेंगे, वो काम बड़े आराम से पूरा हो सकता है। आपको बस थोड़ा संयम रखने की जरूरत है। आज आपको अपनी मान-प्रतिष्ठा बनाये रखने के लिए समाज के कार्यों में सहयोग देना चाहिए। असहज शाम किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाएंगे। आप किसी काम के लिए महत्वपूर्ण कार्य योजना बनाएंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। आज बहुत जरूरी काम बड़े बेटे की मदद से पूरा हो जाएगा। माता-पिता के साथ किसी दर्शनीय स्थल पर जाने प्रोग्राम बनाएंगे। किसी करीबी रिश्तेदार के यहां से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। आज कोर्ट-कचहरी के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आपका बहुत महत्वपूर्ण कार्य बिगड़ते-बिगड़ते बन जाएगा। कारोबार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। आज कार्य करने से पहले अपने से बड़े अनुभवी लोगों की राय जरूर लेनी चाहिए , इससे आने वाले समय में आपको अधिक लाभ होगा।

कर्क राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। किसी काम में भागदौड़ थोड़ी अधिक हो सकती है। बच्चों के स्कूल-कॉलेज से जुड़े कुछ कागज बनवाने पड़ सकते हैं। आज आपको अपने बिजनेस विस्तार के लिए किसी से आर्थिक मदद लेनी पद सकती है। परिवार के किसी सदस्य से आपकी थोड़ी बहुत अनबन होने की संभावना है। आज आप अपने खर्चों को लेकर सोच-विचार में डूबे रहेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। रोजमर्रा के पेंडिंग पड़े कार्य से निपटा लेने के बाद आप रिलेक्स महसूस करेंगे। आपको किसी महत्वपूर्ण मामले में बहुत बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है। आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं। इस राशि के कारोबारियों की मुलाकात किसी बहुत बड़े अनुभवी व्यक्ति हो सकती है।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आपके सारे काम मन-मुताबिक पूरे जाएंगे। बीजी शेड्यूल होने के बावजूद भी आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। इस राशि के जो छात्र इंजीनियरिंग कर रहे हैं, उनके लिए आज का दिन शुभ है आपको किसी कंपनी से जॉब का ऑफर आने वाला है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए दिन ठीक-ठाक रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा। घर पर अचानक से मित्र आ सकता है। आप उसके साथ घर पर लंच का आनंद ले सकते हैं। आप किसी टूर पर जाने का प्लान भी बना सकते हैं। आज ऑफिस में काम को जल्द से जल्द निपटाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं। आपका सामाजिक दायरा काफी हद तक बढ़ जाएगा। आसपास के लोगों से आपको मदद मिल सकती है। आपको व्यवसाय के क्षेत्र में भी लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है। असंभव से लगने वाले कार्यों में भी आपको पूर्ण रूप से सफलता मिलेगी। सरकारी सेवारत व्यक्तियों को यात्रा करनी पड़ सकती है।

धनु राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। बच्चों द्वारा शुभ समाचार मिलने से घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा। साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान मिल सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। आपके आत्मविश्वास के सामने चुनौती टिक नहीं पायेगी। आपको किसी सेमिनार में बतौर अतिथि बुलाया जा सकता है। जहां लोग आपके व्यवहार से काफी प्रभावित होंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस के काम में आपके सामने कई चुनौतियां आ सकती हैं। आप अपने काम में किसी मित्र का सहयोग ले सकते हैं। धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुल सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग आपको फायदा दिला सकता है। आपको अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में थोड़ा विचार करने की जरूरत है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको बड़ी खुशखबरी मिलेगी, जिससे परिवार में सबके चेहरे खिल उठेंगे। घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज अपनी योजनाओं तथा गतिविधियों को सीक्रेट रखें। अनुभवी लोगों का सहयोग और मार्गदर्शन आपके लिए सहायक रहेगा।

मीन राशिः आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। माता-पिता अपने बच्चों के साथ कहीं आस-पास पिकनिक स्पॉट पर जा सकते हैं। ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है। आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी राय देनी चाहिए। आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस होगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

यशपाल शर्मा, केप्लर वेसेल्स सहित ये बल्लेबाज कभी एकदिवसीय में शून्य पर आउट नहीं हुए

एजेंसी, मुम्बई

टी20 क्रिकेट प्रारुप के आने के पहले समिति ओवरों के प्रारुप की बात करें तो केवल एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले ही होते थे। ऐसे में इनका रोमांच भी काफी होता था। इन एकदिवसीय मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज रातों-रात स्टार बन जाते थे। ऐसे में इसमें कई अनौखे रिकार्ड भी बने हैं। इन्हीं में से कुछ खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो इस प्रारुप में भी भी शून्या पर आउट नहीं हुए हैं। इसमें भारत के एक खिलाड़ी यशपाल शर्मा का नाम है। वहीं अन्य खिलाड़ी हैं दक्षिण अफ्रीका के केप्लर वेसेल्स, पीटर कर्स्ट,न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और पाकिस्तान के आगा सलमान। इसमें से मिचेल और सलमान ही सक्रिय क्रिकेटर हैं।

यशपाल शर्मा : साल 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने 1978 से 1985 के बीच 42 मैचों की 40 पारियों में 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाये। वह अपने दौर के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने बिना किसी शतक के भी 4 अर्धशतक लगाए और 63.02 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उस दौर में जब सुरक्षा के साधन कम थे तब इस बल्लेबाज ने तूफानी गेंदबाजों के सामने कभी भी अपना विकेट नहीं खोया।

केप्लर वेसेल्स : साल 1983 से 1994 के बीच केप्लर वेसेल्स ने 109 मैच खेले और 105 पारियों में कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। उन्होंने 34.35 की औसत से 3367 रन बनाए। उन्होंने अपने करियर में 263 चौके जड़े, लेकिन छक्के सिर्फ 2 ही लगाए।

पीटर कर्स्टन : दक्षिण अफ्रीका के पीटर कर्स्टन की कहानी भी वेसेल्स जैसी ही जुझारू है। 1991 से 1994 के छोटे अंतराल में उन्होंने 40 मैच खेले और बिना किसी शून्य के 1293 रन बनाए। इसमें उनका औसता 38.02 जबकि स्ट्राइक रेट 56.02 रहा। इस क्रिकेटर ने अपने करियर में 9 अर्धशतक लगाए और 90 चौके लगाये।

डेरिल मिचेल : न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज ने 2021 से 2026 के बीच सिर्फ 59 मैचों में 58.47 का बेहतरीन औसत और 95.72 का स्ट्राइक रेट से रन बनाये है। मिचेल ने अब तक 9 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। मिचेल ने 71 छक्के लगा दिए हैं।

आगा सलमान : पाकिस्तान के आगा सलमान ने साल 2022 से 2026 के दौरान 50 मैचों की 42 पारियों में 45.23 का औसत से रन बनाये हैं। आगा का सबसे अधिक स्कोर 134 रन रहा है। सलमान का स्ट्राइक रेट 96.18 है। उन्होंने 135 चौके और 29 छक्के भी लगाये हैं।

पडिक्कल इसी प्रकार खेलते रहे तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह मिलना तय : कार्तिक

एजेंसी, नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के मेंटर दिनेश कार्तिक ने बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है जिस प्रकार से वह बल्लेबाजी कर रहे है, उससे भविष्य में उनको भारतीय टीम में जगह मिलना तय है। कार्तिक के अनुसार पडिक्कल ने पिछले कुछ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। जिसपर चयन समिति की नजरें बनी होंगी। साथ ही कहा कि जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं उससे भी उनकी दावेदारी मजबूत हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी इस युवा बल्लेबाज ने

जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 29 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाए थे।

कार्तिक ने कहा कि जिस प्रकार से शुरुआती मुश्किल दौर में पारी के दौरान इस बल्लेबाज ने संयम रखा उसकी भी सराहना होनी चाहिये। कार्तिक ने कहा, सबसे पहली बात जो अह है, वह है पडिक्कल का मजबूत इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो कई बल्लेबाज बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट खो देते हैं। जब हालात कठिन थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई। उन्होंने कहा, जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का तरीका बदल दिया। अगर वह इसी तरह बल्लेबाजी करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम में जगह मिलेगी ही इसके अलावा वह ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

एजेंसी, बेंगलुरु

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि वह हाल ही में टीम

में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकद से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है।

फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं। ऐसे में टीम में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अभी और प्रयास करना होगा।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी। इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा।

युवा तेज गेंदबाज वैशाख ने श्रेयस अय्यर को अच्छा कप्तान बनाया

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने आईपीएल के इस 19 वें सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने अब तक के अपने दोनो मुकाबले आसानी से जीते हैं। पिछले सत्र में भी श्रेयस की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था पर तब वह उपविजेता रही थी। अब इस सत्र में टीम का लक्ष्य खिताब जीतना है। टीम के युवा खिलाड़ी भी अपने कप्तान से खुश हैं। इसी कड़ी में तेज तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अय्यर को एक अच्छा कप्तान बताया और कहा

कि कि वह हमेशा अपने साथियों का समर्थन करते हैं। अगर किसी खिलाड़ी का प्रदर्शन कमजोर हो तो भी वह बचाव करते है। एक गेंदबाज के लिए इस प्रकार का समर्थन जरुरी है। वह बेहतीन खिलाड़ी हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही टीम इंडिया के कप्तान बनेंगे।वैशाख ने अय्यर के व्यवहार को टीम की सफलता की बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा, वह टीम का माहौल हमेशा हल्का रखते हैं।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में विविड इलेक्ट्रोमेक की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

लो और मीडियम वोल्टेज इलेक्ट्रिकल पैनल तथा ऑटोमेशन सिस्टम बनाने वाली कंपनी विविड इलेक्ट्रोमेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली प्रीमियम के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 555 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.80 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 565 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर अपर सर्किट लेवल 593.25 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली होने पर इसने 556 रुपये के स्तर तक गोता भी लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 563.05 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 8.05 रुपये यानी 1.45 प्रतिशत के फायदे में रहे। विविड इलेक्ट्रोमेक का 130.54 करोड़

रुपये का आईपीओ 25 से 30 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.06 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.50 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.36 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 105 करोड़ रुपये के 18.84 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 25.54 करोड़ रुपये के 4.68 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर की बिक्री नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को छह लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.28 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 20.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 9.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 59.63 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 89.55 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 155.77 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 70.89 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

एयर इंडिया की घरेलू उड़ानें 899 रुपये तक महंगी, नया किराया 8 अप्रैल से होगा लागू

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया संकट के कारण एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का असर अब हवाई यात्रियों की जेब पर पड़ने वाला है। देश की प्रमुख एयरलाइन एयर इंडिया ने लागत के बढ़ते दबाव को देखते हुए अपने फ्यूल सरचार्ज में बदलाव का फैसला लिया है। नई दरें 8 अप्रैल से प्रभावी होंगी। एयर इंडिया समूह ने मंगलवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर संशोधित ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइन के इस कदम के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों की कीमतों में अब इजाफा होना तय है, जिससे आने वाले दिनों में डोमेस्टिक फ्लाइट में किराया 299 रुपये लेकर 899 रुपये तक बढ़ जाएगा। अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट टिकटों के दाम 2,200 रुपये लेकर 26 हजार रुपये तक बढ़ जाएंगे। एयरलाइन ने कहा कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के घरेलू एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एफटीए) की कीमतों में बढ़ोतरी की सीमा 25 फीसदी तय करने के निर्णय के बाद एयर इंडिया समूह भी इसी संतुलित दृष्टिकोण को अपना रहा है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार के भाव यानी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,50,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना

1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल, डब्ल्यूटीआई 116 डॉलर प्रति बैरल के पार

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध संकट और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 3 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है, जिससे कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को कच्चा तेल की कीमत में 3 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखने को मिला है। मई में आपूर्ति वाले वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल का वायदा भाव 4.14 डॉलर यानी 3.7 फीसदी की बढ़त के साथ 116.55 डॉलर प्रति बैरल हो गया। ब्रेंट तेल के जून में आपूर्ति वाले अनुबंध की

कीमत 1.5 फीसदी चढ़कर 111.40 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। ब्रेंट क्रूड ने पश्चिम एशिया संघर्ष की शुरुआत के बाद से 60 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। विश्लेषकों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में वैश्विक आपूर्ति के जटिल हालात और ऊर्जा निर्यात के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर मौजूदा अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। व्यापारियों को आपूर्ति में संभावित बाधा और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर चिंता बनी हुई है।

जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को बनाया 'ब्रांड एंबेसडर'

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की प्रमुख स्टेनलेस स्टील कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर और नेशनल सेलिब्रिटी एंडोर्सर नियुक्त किया है। कंपनी ने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को बेहद गर्व और उत्साह के साथ जिंदल स्टेनलेस ने रणवीर सिंह को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है, जो कंपनी की ब्रांड यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत है। इस कदम का मकसद अपने ब्रांड का उपभोक्ताओं से जुड़ाव मजबूत करना, कंपनी की ब्रांड दृश्यता बढ़ाना और भारत के विकास में स्टेनलेस स्टील की भूमिका को उजागर करना है। यह करार देशव्यापी टीवी, डिजिटल और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से उपभोक्ताओं से जुड़ाव को मजबूत करेगा। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक (एमडी) अभ्युदय जिंदल ने कहा कि जिंदल स्टेनलेस अपने विकास के अगले चरण में प्रवेश कर रही है। रणवीर सिंह का व्यक्तित्व और दर्शकों से उनका मजबूत जुड़ाव उन्हें एक उपयुक्त विकल्प बनाता है, जो देशभर के लोगों तक स्टेनलेस स्टील की बहुमुखी उपयोगिता को पहुंचाने में मदद करेगा। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड कंपनी की भारत तथा विदेशों में 16 विनिर्माण एवं प्रसंस्करण इकाइयां हैं। इनमें स्पेन और इंडोनेशिया भी शामिल हैं। मार्च 2025 तक कंपनी का नेटवर्क 12 देशों में फैला हुआ था।

केंद्र सरकार उद्योगों को देगी राहत, स्पेशल क्रेडिट गारंटी स्कीम का ड्राफ्ट तैयार

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण दुनिया के तमाम देशों की तरह ही भारत की अर्थव्यवस्था पर भी लगातार दबाव बढ़ रहा है। इस दबाव की वजह से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के साथ ही सप्लाई और सर्विस सेक्टर पर भी काफी नकारात्मक असर पड़ा है। संकट की स्थिति में केंद्र सरकार जल्दी ही बड़ा राहत पैकेज जारी करने का ऐलान कर सकती है। स्पेशल क्रेडिट गारंटी स्कीम नाम के ढाई लाख करोड़ के इस राहत पैकेज का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि जल्दी ही इस ड्राफ्ट को कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। इस राहत पैकेज को

कोरोना संकट के दौरान साल 2020 में लाई गई इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीजीएलएस) के तर्ज पर तैयार किया गया है। हालांकि इस राहत पैकेज का दायरा और बजट ईसीजीएलएस की तुलना में काफी अधिक बड़ा होगा। जानकारों के अनुसार इस क्रेडिट गारंटी स्कीम के जरिए केंद्र सरकार उन सभी सेक्टर्स को वित्तीय सहायता देगी, जो पश्चिम एशिया में जारी जंग की वजह से प्रभावित हुए हैं। खासकर, जिन सेक्टर्स को युद्ध के कारण सप्लाई चेन बाधित होने की वजह से बढ़ी हुई लागत का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें इस राहत पैकेट के जरिए वित्तीय सहायता देकर लिक्विडिटी क्रंच से बचाने की कोशिश की जाएगी। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार राहत पैकेज के तहत नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) के जरिए कंपनियों को दिए जाने वाले कर्ज पर केंद्र सरकार 90 प्रतिशत की क्रेडिट गारंटी देगी। क्रेडिट गारंटी का मतलब है कि अगर कर्ज लेने वाली कोई कंपनी किस्तों का भुगतान करने में विफल रहती है, तो बैंक को होने वाले नुकसान के 90 प्रतिशत हिस्से की भरपाई केंद्र सरकार करेगी।

कविता कौशिक ने बताया कप्तान के लिए क्यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज कप्तान ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है।

कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था। अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी। अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।

फिल्म

राजकुमार राव की आगामी फिल्म टोस्टर का ट्रेलर जारी

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म टोस्टर का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और राजकुमार राव की यह फिल्म एक ऐसे आदमी के बचत करने के पक्के इरादे की कहानी है, जो चाहे कुछ भी हो जाए, बचत करना नहीं छोड़ता है। ट्रेलर में राजकुमार राव रमाकांत नामक प्यारे और सीधे-सादे कंजूस के रोल में दिख रहे हैं। रमाकांत को लगता है कि हर बचाया हुआ रुपया उसकी बड़ी जीत है। वह रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजों से भी ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश करता है और जिस चीज पर एक बार पैसे खर्च कर देता है, उसे आसानी से जाने नहीं देता। रमाकांत बचत करने के मामले में एक बिल्कुल ही नए स्तर पर पहुंच जाता है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब रमाकांत और उसकी पत्नी एक शादी में किसी को टोस्टर गिफ्ट करते हैं। बाद में उसे पता चलता है कि उस कपल का तलाक हो गया और टोस्टर दान कर दिया गया। यह सुनकर वह परेशान हो जाता है और टोस्टर वापस लाने के लिए निकल पड़ता है। टोस्टर वापस लाने की इस कोशिश में वह खुद और अपने आसपास के लोगों को अजीब और मुश्किल हालात में फंसा देता है। वह जितनी बार चीज़ों को ठीक करने की कोशिश करता है, उतनी ही ज्यादा परेशानी बढ़ती जाती है। फिल्म को लेकर अभिनेता राजकुमार राव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, फिल्म टोस्टर मेरे लिए एक खास फिल्म है क्योंकि यह हमारे प्रोडक्शन हाउस, कम्पा फिल्म के तहत हमारी पहली फिल्म है और इसे पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। मैं फिल्म की कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं। इस फिल्म की जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया है वह थी कि कैसे छोटी सी चीज किसी इंसान के दिमाग पर पूरी तरह से हावी हो सकती है। उन्होंने अपने किरदार को लेकर कहा, रमाकांत ऐसा व्यक्ति है जो सोचता है कि जो वह कर रहा है, वह बिल्कुल सही है।

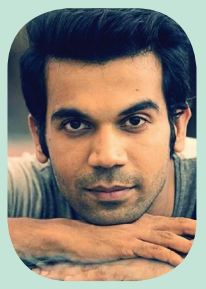

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2 के साथ लौटेंगे शाहिद कपूर-कृति सैनन, फिर मचेगा धमाल

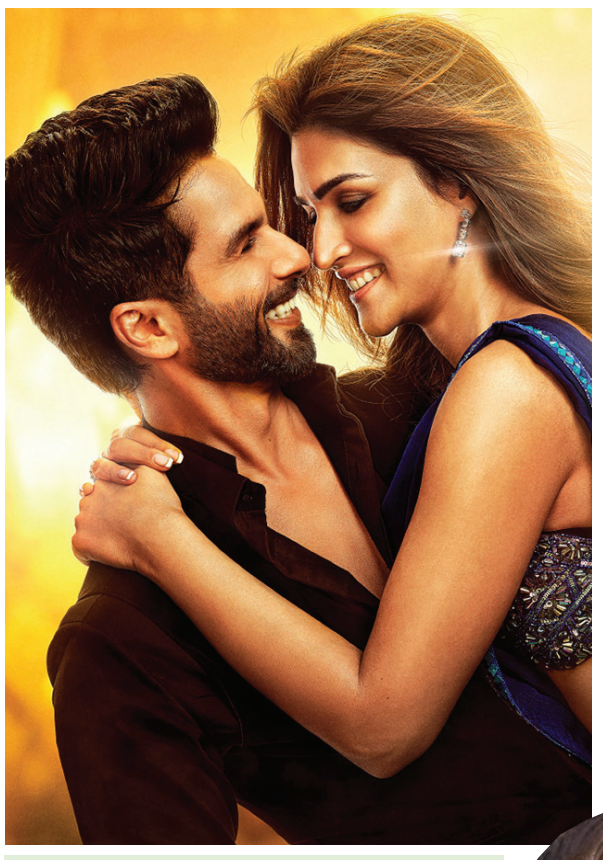

शाहिद कपूर और कृति सैनन की साइंस-फिक्शन फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2024 में रिलीज हुई थी। खबर है कि निर्माताओं ने इसके सीक्वल की तैयारी शुरू कर दी है। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म रोबोटिक्स इंजीनियर और उसकी रोबोट गर्लफ्रेंड पर आधारित थी जिसे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल हुई। फिल्म के क्लाइमैक्स में संकेत मिला था कि कहानी सीक्वल के साथ आगे बढ़ेगी। शाहिद और कृति अपने किरदारों को दोहराते दिखाई दे सकते हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि सीक्वल में जाह्नवी कपूर भी अहम भूमिका के साथ शामिल हो सकती हैं। दरअसल, फिल्म के आखिर में उन्होंने कैमियो किया था। सीक्वल पर बात करते हुए सूत्र ने कहा, कहानी वहीं से शुरू होगी जहां पिछली फिल्म खत्म हुई थी। फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है और अगस्त तक स्क्रिप्ट तैयार होने की उम्मीद है। निर्माता 2027 की पहली तिमाही में शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं।इससे पहले, फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में कृति ने तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के सीक्वल की पुष्टि की थी। उन्होंने स्वीकारते हुए कहा था, तेरी बातों में ऐसा... सीक्वल की स्क्रिप्ट पर फिलहाल काम चल रहा है। हम दोनों ही इसे जल्द से जल्द देखना चाहते हैं। अमित जोशी और अराधना शाह द्वारा निर्देशत इस फिल्म में धर्मेंद्र और डिंपल कपाडिया जैसे दिग्गज कलाकार समेत ग्रुशा कपूर, अनुभा फतेहपुरिया और आशीष वर्मा भी शामिल थे।

रश्मिका मंदाना के बर्थडे पर विजय देवरकोंडा ने शेयर की राणाबाली की अनसीन वीडियो

रश्मिका मंदाना के शादी के बाद उनका यह पहला 30 वां जन्मदिन है. इसलिए उनके स्टार पति ने उनके इस खास दिन को और भी खास बनाया है. एक्टर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट राणाबली का एक बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो शेयर किया और उसे एक खास और मिनिमल कैप्शन के साथ जोड़ा है. विजय देवरगोंडा ने अपने इंस्टाग्राम पर राणाबली का बीटीएस वीडियो शेयर किया है. दिल को छू लेने वाला बीटीएस क्लिप एक नोट के साथ शुरू होता है, जिसमें लिखा है, ग्रे रंग में रंगी दुनिया में, वह उसकी एकमात्र रंग थी. वीडियो में जयम्मा की पुरानी तस्वीरों की झलक दिखाई जाती है. इसके बाद सेट पर टीम रश्मिका का स्वागत करती है. क्लिप में वह क्रिएटिव टीम के साथ अपने किरदार जयम्मा पर चर्चा करती दिख रही हैं, जिसमें उनके लुक, स्टाइलिंग, पोज और उनकी परफॉर्मेंस के दूसरे पहलू शामिल हैं. जयम्मा का किरदार निभाते हुए, रश्मिका मुस्कुराती हुई और अपने रोल में पूरी तरह डूबी हुई दिख रही हैं. वीडियो के आखिर में, विजय और रश्मिका एक हल्के-फुल्के पल शेयर करते हुए दिखाए गए हैं. वह घास की ढेर में एक साथ लेटे हुए, राणाबली पर अपने काम की एक मजेदार और कैंडिड सीन करते हुए नजर आते हैं. विजय ने इस खास बीटीएस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, आई लव यू जयम्मा. विजय के इस पोस्ट को रश्मिका ने रीपोस्ट किया है. इसके अलावा मैसा के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर एक्ट्रेस को बर्थडे विश किया है. अनफॉर्मूला फिल्म्स ने एक्ट्रेस का एक ज़बरदस्त लुक दिखाते हुए लिखा है, उसने मोहनी रूप से राज किया. उसने दया से जीता. अब वह प्योर रेज के साथ आ रही है. पोस्टर में आगे लिखा था, टीम मैसा हमेशा स्टनिंग रश्मिका मंदाना को जबरदस्त हैप्पी बर्थडे विश करती है. इमेज में, रश्मिका गुस्से से घूरती हुई दिख रही हैं, उनके चेहरे पर चोट और खून के निशान हैं, जो उनके इंटेंस कैरेक्टर को दिखाता है. राणाबली 2026 में आने वाली एक इंडियन पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसमें विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना हैं, और इसे राहुल सांकृत्यायन ने डायरेक्ट किया है. ब्रिटिश राज (1854–1878) के बैकग्राउंड पर बनी यह फिल्म एक फ्रीडम फाइटर की कहानी है, जो रायलसीमा की सच्ची और दबी हुई ऐतिहासिक घटनाओं से प्रेरित है. राणाबली 11 सितंबर, 2026 को थिएटर में रिलीज होगी. इसके अलावा, रश्मिका तेलुगु पैन इंडियन पीरियड ड्रामा मैसा के लिए भी तैयारी कर रही हैं. रविंद्र पुले द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई एक्शन थ्रिलर फिल्म इसी साल रिलीज होगी. उनकी झोली में कॉकटेल-2 भी है, जो 19 जून 2026 को रिलीज होगी.

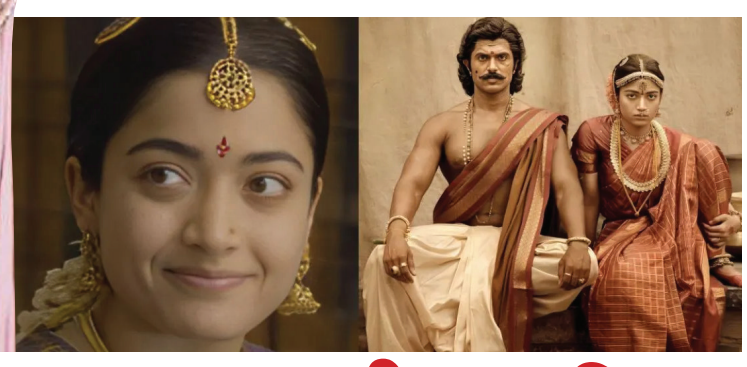

गर्मी के मौसम में लें अंगूर से बने इन 5 व्यंजनों का मजा, मिलेगी ताजगी

अंगूर गर्मियों का एक स्वादिष्ट फल है, जिसमें कई जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं। आमतौर पर लोग अंगूर का सेवन ऐसे ही करना पसंद करते हैं या फिर इसका जूस पीते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि अंगूर से कई तरह के व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं? इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की रेसिपी बताने वाले हैं, जो अंगूर से बनाए जाते हैं और गर्मियों के दौरान बहुत अच्छे लगते हैं।

अंगूर का शरबत : अंगूर का शरबत एक ताजगी भरा पेय है, जिसे आप गर्मियों में आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजे हरे या काले अंगूर लें और उन्हें अच्छे से धो लें। अब इन्हें मिक्सी में पीसकर इनका ताजा रस बना लें, फिर इसमें नींबू का रस मिला दें। इसमें पुदीने की पत्तियां और थोड़ी-सी चीनी भी डाल दें। इसे ठंडा करके बर्फ डालकर परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

अंगूर की चटनी : अंगूर की चटनी एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप अपने खाने के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों को मैश कर लें, फिर इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और धनिया पत्ती मिलाएं। अब इसमें नमक, गरम मसाला और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आप इसमें अपनी पसंद के कुछ अन्य मसाले भी मिला सकते हैं, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाएगा।

अंगूर की जेली : अंगूर की जेली एक तरह की मिठाई है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। यह बच्चों को खास तौर से बहुत पसंद आती है। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों का रस निकाल लें, फिर इस रस को चीनी और जिलेटिन पाउडर के साथ पकाएं। जब तक यह गाढ़ा न हो जाए तब तक इसे पकाते रहें। अब इस मिश्रण को ठंडा करके फ्रिज में जमने दें। जब यह पूरी तरह से जम जाए तो इसे काटकर परोसें।

मोनालिसा ने उठाए रजत दलाल की परवरिश पर सवाल, कहा-फेम पाने के लिए कर रहे घटिया हरकत

रियलिटी शो द 50 खत्म हो गया है लेकिन इस शो से शुरू हुए विवाद शांत नहीं हो रहे हैं। इन दिनों रजत अपनी शादी के साथ मोनालिसा के साथ हुए विवाद पर भी खुलकर बात कर रहे हैं, हालांकि अब बिना नाम लिए मोनालिसा ने रजत दलाल पर पलटवार किया है और अपने करियर की अचीवमेंट के बारे में बात की। एक्ट्रेस मोनालिसा का कहना है कि कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया,जिसमें वो बिना नाम लिए रजत दलाल पर निशाना साध रही हैं। रजत दलाल ने हाल ही में कहा था कि उन्हें मोनालिसा की कही किसी भी बात से फर्क नहीं पड़ता है। अब अभिनेत्री ने वीडियो जारी कर कहा, कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं, क्योंकि उनकी असली जिंदगी भी फेक है। जब ऐसी हरकत करेंगे, तभी तो दिखेंगे। उन्होंने आगे कहा, किसी को मेरे गुस्से से क्यों फर्क पड़ेगा, क्योंकि शो के अंदर हमने उनकी तरह गाली नहीं दी। अब शो के बाहर भी वो कुछ भी बोल रहे हैं और उनके पेड पीआर करने वाले लोगों की कोई सीमा नहीं है। हमें एक से बढ़कर एक घटिया बातें सुनने को मिल रही हैं। मेरी मां और परिवार को लेकर गलत बातें की जा रही हैं। अगर मेरी वजह से किसी और के साथ ऐसा होता तो मैं खुद उस मामले को रोकती, क्योंकि मेरी परवरिश ऐसी नहीं है। यहां लोग फैन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। अभिनेत्री ने बहुत बड़ा वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने रजत दलाल और उनके फैंस को करारा जवाब दिया है। उन्होंने यह भी साफ किया है कि उन्हें फेम की जरूरत नहीं है क्योंकि वे वर्षों से इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं। मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, कुछ बातें बोलना जरूरी था। द-50, 100 से ऊपर भोजपुरी फिल्में, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ फिल्में, बिग बॉस-10, नच बलिए 8, नजर सबसे लोकप्रिय सुपरनैचुरल शो और भी बहुत कुछ, जिसे मैं भी भूल रही हूं। लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया। इसके बाद भी मुझे आपके जरूरी फेम नहीं चाहिए भाई।

Rajnath lays foundation stones for 3 new centres at R&R, new infra at Base Hospital

New Delhi, Agency: Defence minister Rajnath Singh on Monday laid the foundation stones for ophthalmology, oncology and joint replacement centres at Army Hospital (Research & Referral) and new infrastructure at Base Hospital, Delhi Cantonment.

Speaking at the 262nd Army Medical Corps Raising Day celebrations, Rajnath said, "Military medical services within the country and neighbouring nations have emerged as a powerful testament to India's soft power." Encouraging the Army Medical Corps, he said, "Innovation, capacity-building and integration of advanced technology are a must to meet emerging military medicine challenges."

The state-of-the-art facilities at Army Hospital (Research & Referral) will aim to significantly enhance tertiary care capabilities of Armed Forces Medical Services (AFMS), particularly in domains of advanced eye care, cancer treatment and complex joint replacement surgeries, while the new infrastructure at Base Hospital is being developed to create a capacity of 998 beds along with an additional 100 crisis expansion beds, to address routine and emergency healthcare requirements of defence forces personnel.

Rajnath said, "In today's world, security isn't just about protecting borders; health security is equally important. Strong medical support plays a crucial role in the success of major operations like Operation Sindoor. When soldiers are sure that they will have access to quality medical facilities under all circumstances, they can confidently complete their missions."

CEC impeachment motion rejected What can opposition do next?

New Delhi, Agency: Rajya Sabha chairman CP Radhakrishnan on Monday rejected the opposition's impeachment motion against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. It was the first time a notice seeking the removal of the Election Commission chief was issued with the signature of 130 Lok Sabha MPs and 63 Rajya Sabha members.

The 10-page impeachment motion accused Gyanesh Kumar of seven counts. The charges ranged from partisan conduct of the CEC to mass disenfranchisement of voters in different states. This comes after the poll body faced opposition over the pan-India purification of the electoral roll -- Special Intensive Revision (SIR).

The opposition had also raised the issue of the way the CEC handled SIR in previous elections, like Bihar and forthcoming elections in states like West Bengal; his "proved misbehaviour"; his partial conduct towards a political party are also issues that find a mention in the notice.

The notice for the removal of the CEC, piloted by TMC, came after growing accusations from opposition parties against Gyanesh Kumar. They accused the CEC of bias and carrying out the ongoing Special Intensive Revision (SIR) exercise in an arbitrary manner in a bid to aid the BJP. West Bengal chief minister Mamata Banerjee has been leading protests over the SIR process in her state.

'List stands frozen':

Nearly 91 lakh voters deleted from Bengal rolls after SIR

New Delhi, Agency: Nearly 91 lakh names have been removed from the electoral rolls in West Bengal following the Special Intensive Revision (SIR) exercise, according to data released by the Election Commission. The poll panel has not yet announced the final size of the revised electorate after completion of the process.

As per official data published on February 28, around 63.66 lakh voters, about 8.3 per cent of the electorate, had already been deleted since the SIR began in November last year. This brought down the voter base from nearly 7.66 crore to just over 7.04 crore.

The revised 7.04 crore figure included more than 60.06 lakh electors placed under the "under adjudication" category. Of these, over 27.16 lakh voters were later deleted following scrutiny by judicial officers, while more than 32.68 lakh were retained and included in the final rolls.

Overall, the total deletions since the start of the SIR process stood at approximately 90.83 lakh, the EC data showed.

"The revision exercise has been carried out in a phased and transparent manner. District-wise data has now been placed in the public domain to ensure complete accountability," a senior EC official said.

Out of the 60.06 lakh voters under adjudication, data for 59.84 lakh has been published, while 22,163 cases have been resolved but are awaiting e-signatures, the official said.

2 children killed, mother injured in suspected militant bomb attack in Manipur

New Delhi, Agency: Two children were killed and their mother was injured in a bomb attack in Manipur's Bishnupur district on Tuesday, triggering protests by locals, police said.The incident occurred at around 1 am when a bomb was hurled by suspected militants at a house in Moirang Tronglaobi area, killing a 5-year-old boy and a six-month-old girl, a senior officer said.

Chief Minister Y Khemchand Singh described the attack as a "barbaric act" and assured the people that those responsible for the crime would be identified and dealt with firmly under the law. The two children and their mother were sleeping in their bedroom when the bomb exploded in the house, the police officer said.

Locals staged a protest this morning and torched two oil tankers and a truck near a petrol pump in the area. They burnt tyres in front of the Moirang Police Station and destroyed a makeshift police outpost. Security forces have been deployed in the area to control the situation, the officer said.

Jaishankar to Iran counterpart: Back efforts to stop war

New Delhi, Agency: Referring to the importance of efforts to restore stability and security to the West Asia region, external affairs minister S Jaishankar stressed India's support for ongoing regional and international efforts to stop the war in a conversation with his Iran counterpart Seyed Abbas Araghchi, according to an Iranian readout released Monday.

Apart from Araghchi, Jaishankar had on Sunday also spoken to his counterparts from Qatar and the UAE.

According to Iran, Araghchi spoke about the "heinous crimes" committed by American and Israeli aggressors against the Iranian people, including attacks on Iran's industrial and production infrastructure, as well as its "peaceful and safeguarded nuclear facilities, and the continued rhetoric by American officials openly threatening to attack Iran's energy infrastructure". He also reminded the international community and the UN of their responsibility to confront "law-breaking and the normalisation of war crimes". Qatar too released a readout of the conversation that its foreign minister Mohammed bin Abdulrahman bin Jassim Al-Thani had with Jaishankar in which they reviewed military escalation and its serious repercussions on regional & international security and stability.

The Qatar minister stressed the need to halt the "unjustified Iranian attacks" on Qatar and other countries, warning against irresponsible targeting of vital infrastructure, particularly that related to water, and energy facilities. He also emphasised the need to strengthen coordination, intensify joint efforts, return to the negotiating table, and prioritise reason and wisdom to contain the crisis and ensure global energy security.

No personal oral hearing needed before labelling bank accounts as fraud: SC

New Delhi, Agency: The Supreme Court, on Tuesday, issued a decision regarding the classification of bank accounts as fraud. The apex court ordered that banks are not obligated to grant customers a personal oral hearing before declaring their accounts as fraud. However, prior to labelling them, banks must provide customers with a forensic audit report.

The ruling follows submissions made earlier this year by the Reserve Bank of India (RBI) and State Bank of India (SBI), which argued that conducting personal hearings in every case would not be feasible given the scale of fraud in the banking system. Earlier, appearing for SBI, solicitor general Tushar Mehta had told the court that the volume of fraud cases has risen sharply, making individual hearings difficult to implement. He said that introducing such a requirement could disrupt the process of identifying and declaring fraudulent accounts.

Judiciary graft chapter

3 academicians move Supreme Court against NCERT association ban

New Delhi, Agency: Three academicians engaged by NCERT as experts - Prof Michel Danino, Suparna Diwakar and Alok Prasanna Kumar - whom the Supreme Court banned for life "for projecting a negative image of judiciary" by mentioning about corruption in judiciary in a Class 8 textbook, approached the apex court Monday seeking a review of the order.

"Class 6 and Class 7 textbooks do deal with issues... faced by legislature, Election Commission and the executive... We want to show the processes that have been followed... These are academics with a lot of credibility," the petitioners' counsel said. Appearing for the three, senior advocate Arvind Datar, Gopal Sankaranarayanan and Sai Deepak told the bench that the blacklisting of the academicians has grave implications and requested a bench of CJI Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi to urgently take up these applications for hearing. CJI Kant asked, "Are you defending your actions?" Sankaranarayanan responded by saying, "We are giving a context (to what was written in the Class VIII book). I was present when the newspaper article was mentioned before the court and told how the judiciary is being singled out (on prevalence of corruption)." For Danino, Datar said, "The court may consider his detailed explanation." Deepak said, "It was a collective effort, and no individual had the final say." SC directed the registry to list the application for hearing. It said no intervention would be permitted in this matter by others.

Appearing for education ministry, additional solicitor general K M Nataraj told the bench about the formation of two committees to scrutinise the existing syllabus to eliminate intemperate reference to judiciary in school textbooks and also to suggest a framework in consultation with National Judicial Academy.

11 Myanmarese poachers arrested from remote island in Andamans

New Delhi, Agency: A total of 11 Myanmarese poachers were arrested from a remote location in the Andaman and Nicobar Islands during a three-day operation that began on April 4, police said on Tuesday. The poachers were apprehended from Nancowry Island in Nicobar district as part of the 'Sea Sentinel' operation.

"The anti-poaching operation was launched by the police in the sea areas off Kakana, Pilpillow, Pondha and Dering on April 4 at 9 am," DGP Hargobinder Singh Dhaliwal told PTI.

During the operation, a suspected Myanmarese poaching vessel was detected near the coast of North Kakana. "To evade arrest, the poachers cut the anchor rope of their vessel and attempted to flee towards the south-east direction off Tillong Chaung. The police team pursued the vessel and, in coordination with the Indian Coast Guard, tried to intercept it. Two warning rounds were fired by one of our officers. However, the poachers ignored the warning and continued to flee," he said. The vessel was eventually intercepted after being abandoned near Isle of Man Island, where the poachers escaped into dense forests.

"On April 5, a joint team of the police and Army apprehended one Myanmarese national after a brief chase. On April 6, 10 more foreign nationals, found hiding in forested areas, were arrested. In total, 11 foreign poachers were apprehended during the operation," the DGP added. Around 800 kg of illegally harvested sea cucumber were also recovered, officials said.

Claims of 27L Bengal voters in doubtful list rejected, can't vote

New Delhi, Agency: Nearly 27 lakh of the 60 lakh whose claims for inclusion in West Bengal's electoral roll were put in the "doubtful" category during the special intensive revision exercise may not be able to vote in the ensuing assembly polls, with judicial officers overseeing adjudication rejecting their claims.

The electoral roll for the Bengal assembly polls' first phase - scheduled for April 23 - was to be frozen by Monday midnight.

Supreme Court, which was informed of the final deletions by the Calcutta HC, on Monday rejected pleas of Bengal govt and TMC supporters for inclusion of names of people whose appeals against deletion by judicial officers are pending with the 19 special appellate tribunals headed by retired HC chief justices and judges.

"The claims have been scrutinised by judicial officers performing the task of electoral registration officers. We allowed inclusion of names of those cleared by the judicial officers by providing for supplementary lists beyond the publication of the final voter list (on Feb 28). This cannot be stretched to the outcome of appeals before the appellate tribunals against rejections,"SC said. If the tribunals are asked to adjudicate lakhs of appeals by April 15, it will not only become a crushing burden on the tribunals but also create chaos," said a bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and Vipul M Pancholi.

In addition to the 60 lakh categorised as "doubtful", another 61.7 lakh names of people were taken off the roll during SIR after they were found to have passed away, shifted, registered at two places or who could not be traced. The deletions after adjudication stand at around 88.8 lakh, which is 11.6% of the electorate at the start of SIR. As per Section 23(3) of the Representation of the People Act, 1950, the voter list for phase 2 will be frozen on April 9 (last day of nomination).

The bench said 700-odd judicial officers deployed for the Bengal SIR have performed a miracle by completing adjudication of over 60 lakh claims.

Appearing for the Bengal govt and TMC supporters, advocate Shyam Divan said as many as seven lakh appeals have been filed and many more are going to be filed, and suggested that those appeals be decided by April 15 to enable inclusion in the final list.

The bench said it had exercised its extraordinary powers under Article 142 to deploy judicial officers to scrutinise claims and objections, given the trust deficit between the state and EC. Advocate Kapil Sibal said at least appellate tribunals could be empowered to give interim direction on prima facie satisfaction for inclusion of those mapped voters, who had voted earlier, to be included in the final list.